सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 135 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 26 फरवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ की जेलों में 66 बंदियों की मौत, गृहमंत्री ने बताया

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के चौथे दिन सदन में कस्टोडियल डेथ के मुद्दे की गूंज रही। प्रश्नकाल के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 तक राज्य की जेलों में हुई मौतों का मुद्दा उठाया। गृह मंत्री विजय शर्मा ने जवाब में बताया कि इस अवधि में 66 बंदियों की मृत्यु हुई है। इस पर भूपेश बघेल ने मृतकों की नामवार सूची और विशेष रूप से जीवन ठाकुर के मामले की जानकारी मांगी। मंत्री ने कहा कि जीवन ठाकुर का नाम सूची में शामिल है और उनकी तबीयत खराब होने पर इलाज के बाद मृत्यु हुई। वहीं, उन्होंने पंकज साहू का मामला निर्धारित अवधि से बाहर का बताया और जांच प्रक्रिया नियमानुसार होने की बात कही।इसी दौरान ड्रग मामलों को लेकर भी चर्चा हुई। भूपेश बघेल ने 282 ड्रग प्रकरणों की सूची में नाव्या मलिक का नाम नहीं होने पर सवाल उठाया और उसके विदेशी कनेक्शन की जानकारी मांगी। मंत्री विजय शर्मा ने बताया कि 282 मामलों में 206 में चालान पेश हो चुका है और 662 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने संबंधित नाम पर पूरी जानकारी उपलब्ध कराने की बात कही।

राजस्व वसूली में लापरवाही पर पंडरिया के सीएमओ निलंबित

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ शासन ने प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए नगर पालिका परिषद पंडरिया के मुख्य नगर पालिका अधिकारी अभिताभ शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा जारी आदेश में वित्तीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही का उल्लेख किया गया है। दरअसल, 14 जनवरी 2026 को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग समीक्षा बैठक में यह तथ्य सामने आया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान दिसंबर 2025 तक संपत्तियों के नए कर (मांग) निर्धारण की प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। परिणामस्वरूप नगर पालिका की राजस्व वसूली अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच सकी। शासन ने इसे कर्तव्यों के प्रति उदासीनता और गंभीर कदाचार की श्रेणी में माना।

फिर बढ़ेगी गर्मी : दिन का पारा बढ़ेगा, न्यूनतम तापमान स्थिर रहेगा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आने वाले तीन दिनों में अधिकतम तापमान धीरे-धीरे बढ़ेगा। इसके बाद तापमान में बड़ा बदलाव नहीं होगा। न्यूनतम तापमान अगले सात दिनों तक लगभग स्थिर रहेगा। बीते 24 घंटों में प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हुई, लेकिन किसी जगह बारिश की मात्रा कम रही। पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक अधिकतम तापमान राजनांदगांव में 34 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम न्यूनतम तापमान अंबिकापुर में 10.4 डिग्री सेल्सियस रहा। आने वाले दिनों में मौसम अधिकांश जिलों में शुष्क रहेगा।

करप्शन इन ज्यूडीशियरी' किताब को सुप्रीम कोर्ट ने किया बैन : कहा- हार्ड कॉपी वापस लें, डिजीटल कापी हटाएं

नई दिल्ली ए.। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एनसीईआरटी की कक्षा 8 की सोशल साइंस की किताब में 'ज्यूडिशियल करप्शन' (न्यायपालिका में भ्रष्टाचार) से जुड़े चैप्टर पर सुनवाई की। कोर्ट ने विवादित किताब पर कम्प्लीट बैन लगाते हुए इसके छपाई और वितरण पर पूरी तरह रोक लगा दी। साथ ही किताब की सभी प्रिंट और डिजिटल कॉपियों को तुरंत जब्त कर सार्वजनिक पहुंच से हटाने का आदेश दिया।

एनसीईआरटी डायरेक्टर और शिक्षा सचिव को नोटिस

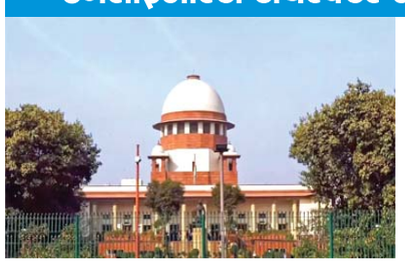

कोर्ट ने शिक्षा मंत्रालय के सचिव और एनसीईआरटी निदेशक को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही सिलेबस से जुड़ी बैठकों की कार्यवाही और विवादित चैप्टर लिखने वाले लेखकों के नाम और उनकी योग्यता बताने का निर्देश दिया है। सीजेआई ने कहा- यह न्यायपालिका को बदनाम करने की एक गहरी और सोची-समझी साजिश लगती है।

जिम्मेदार लोगों पर होगी सख्त कार्रवाई

जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गहराई से जांच होगी और केस बंद नहीं किया जाएगा। एनसीईआरटी पर अवमानना की कार्रवाई भी की जा सकती है। इससे पहले एनसीईआरटी ने बुधवार को पहली प्रतिक्रिया दी। एनसीईआरटी ने कहा कि वे ज्यूडिशियरी का बहुत सम्मान करते हैं। किताब में गलती अनजाने में हुई है और एनसीईआरटी को उस चैप्टर में गलत मटेरियल शामिल करने का अफसोस है। चैप्टर को दोबारा लिखा जाएगा। एनसीईआरटी ने यह भी कहा कि पुस्तक की 38 कापियां बिकी हैं जिन्हें वापस मंगवाने के प्रयास किये जा रहे हैं।

साई मंदिर में लाखों की चोरी, नकाबपोश बदमाशों ने की सेंदमारी, गार्ड को पीटा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेक्टर-6 साई मंदिर में लाखों की चोरी का मामला सामने आया है। बुधवार-गुरुवार दरमियानी रात को नकाबपोश बदमाश मंदिर में घुसे और पहले गार्ड को बांधा और उसकी पिटाई करने के बाद मंदिर में चोरी की। नकाबपोश बदमाश साई बाबा की प्रतिमा में चढ़े चांदी के आभूषण व अन्य सामान ले उड़े। गुरुवार सुबह मंदिर खुलने के बाद चोरी का पता चला। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एसएसपी विजय अग्रवाल व भिलाई नगर थाना प्रभारी जितेन्द्र वर्मा पूरी टीम के साथ पहुंचे। फिलहाल जांच की जा रही है।

बता दें सेक्टर -6 का साई मंदिर चढ़ावे के नजरिए से शहर का का प्रमुख मंदिर है और यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का आना होता है। दान पेटी में भी प्रतिदिन हजारों का चढ़ावा चढ़ता है। साई की प्रतिमा को चांदी के जेवरों से सजाया गया है। बुधवार आधी रात के बाद ढाई से तीन बजे के बीच साई मंदिर में चोरी हुई। सीसी टीवी फुटेज में पुलिस ने नकाबपोश बदमाशों को प्रवेश करते देखा। बदमाशों ने गार्ड को बांधा और उसकी पिटाई की।

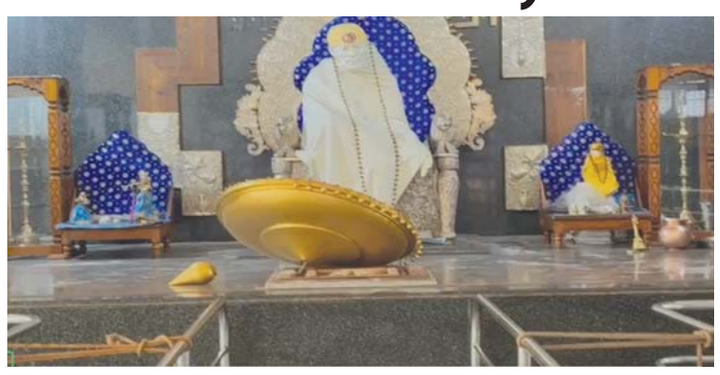

चांदी के जेवर ले गए चोर

बदमाशों ने चोरी से पहले सीसी टीवी कैमरों को ढ़कने का प्रयास किया। इसके लिए घोड़ी का सहारा लिया। इसके बाद साई की प्रतिमा पर लगे जेवर व अन्य सामान सहित नगदी भी ले गए। पुलिस की पूछताछ में मंदिर समिति के लोग यह स्पष्ट नहीं कर पा रहे हैं कि क्या क्या चोरी हुआ है। यहां तक की मंदिर का पुजारी भी यह नहीं बता पा रहा है कि प्रतिमा पर कौन कौन से जेवर चढ़े हुए थे। इससे समिति के लोगों की संलिप्तता की चर्चा भी हो रही है।

की जा रही है जांच

भिलाई सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी ने बताया कि बुधवार आधी रात के बाद लगभग 2:30 से 3 बजे के बीच बदमाश घुसे। यहां एक गार्ड है जिसे बांधकर मारपीट भी गई है। चोरों ने मंदिर के गर्भगृह से प्रतिमा पर लगे चांदी के जेवर व छत्र लेकर गए है। चोरी के सामान की कीमत का आंकलन किया जा रहा है। चोर अभी अज्ञात है। सीसी टीवी फुटेज के आधार पर चोरों की पतासाजी की जा रही है।

गेट का ताला तोड़कर घुसे

गेट का ताला तोड़कर चोर मंदिर के अंदर घुसे। दान पेटी का ताला तोड़ा और नकदी निकाल ली। साईं बाबा के मुकुट और चरण पादुका भी ले गए। बड़ी छत्री भी तोड़ी गई, लेकिन भारी होने की वजह से आरोपी उसे ले नहीं जा सके। छोटी छत्री को चोर ले गए।

वीर सावरकर की पुण्यतिथि

मुख्यमंत्री साय व राज्यपाल डेका ने अर्पित की श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महान क्रांतिकारी, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर गुरुवार को सीएम साय व राज्यपाल रमेन डेका ने उनके छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धापूर्वक नमन किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वीर सावरकर केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि दूरदर्शी विचारक, समाज सुधारक, ओजस्वी लेखक-कवि और प्रखर इतिहासकार भी थे। उन्होंने भारतीय स्वाधीनता संग्राम को नई वैचारिक ऊर्जा प्रदान की तथा राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए सावरकर जी का त्याग, संघर्ष और अदम्य साहस भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। कालापानी की अमानवीय यातनाओं के बावजूद उनका राष्ट्र के प्रति समर्पण अडिग रहा। उनका संपूर्ण जीवन देशसेवा, आत्मबल और राष्ट्र गौरव का प्रेरणास्रोत है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि वीर सावरकर के विचार आज भी युवाओं को राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। हमें उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी आलोक सिंह, राम गर्ग सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

राज्यपाल डेका ने सावरकर के योगदान को किया याद

राज्यपाल रमेन डेका ने आज महान सेनानी, विचारक और क्रांतिकारी विनायक दामोदर सावरकर वीर सावरकर जी की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि वीर सावरकर भारत माता के उन वीर सपूतों में से एक हैं जिनकी बौद्धिक क्षमता, क्रांतिकारी उत्साह और भारत के भविष्य के प्रति अटूट प्रतिबद्धता अतुलनीय रही। वीर सावरकर जी महज एक क्रांतिकारी से कहीं अधिक थे, वे एक गहन विचारक थे जिनके बौद्धिक योगदान को देश भूल नहीं सकता।

छत तोड़कर क्लासरूम में गिरा 50 किलो का पत्थर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के जावांगा में स्थित क्रशर प्लांट में अचानक ब्लास्ट कर दिया गया। जिससे पत्थरों के टुकड़े करीब 200-300 मीटर दूर स्कूल, ढाबा और सीआरपीएफ कैंप के नजदीक जा गिरे। 50 किलो से ज्यादा वजन का पत्थर स्कूल की छत तोड़कर नीचे क्लास रूम में गिर गया। हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई।

क्रशर संचालक ने पुलिस को बिना किसी लिखित सूचना दिए ब्लास्ट कर दिया था। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस ने अब तक 3 से 4 लोगों को जांच के दायरे में रखा है। 2 के खिलाफ गैर जमानतीय धाराओं पर एफआईआर दर्ज की गई है। 2 लोगों को जेल भेज दिया गया है। संचालक और मैनेजर अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। पुलिस के मुताबिक इस मामले की जांच चल रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके हिसाब से जिसकी जो जिम्मेदारी होगी उस पर कार्रवाई की जाएगी। पूरा मामला गीदम थाना क्षेत्र का है।

भिलाई में बारूद से भरा ट्रक ट्रांसफार्मर से टकराया, केबिन में लगी आग, बड़ा हादसा टला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के भिलाई-3 क्षेत्र में गुरुवार तड़के करीब 2.20 बजे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। रायपुर की ओर जा रही बारूद से भरी ट्रक (क्रमांक टीएस 05 यूबी 2355) अनियंत्रित होकर ट्रांसफार्मर से टकरा गई। टक्कर के बाद ट्रक सर्विस रोड पर उतर गई और उसके केबिन में आग लग गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। सुरक्षा के लिहाज से अग्निशमन कार्यालय से दो दमकल वाहन मौके के लिए रवाना किए गए। दमकल कर्मियों ने पहुंचकर देखा कि ट्रक के केबिन में आग लगी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए टीम ने बिना समय गंवाए आग बुझाने का काम शुरू किया।

इंस्टाग्राम पर मोदी के ट्रंप से दोगुने फालोअर

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन, यानी 10 करोड़ फॉलोअर्स हो गए हैं। इस प्लेटफॉर्म पर यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे दुनिया के पहले लीडर और पॉलिटिशियन बन गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी 2014 में इंस्टाग्राम से जुड़े थे। यहां उनके अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रम्प से दोगुने से भी ज्यादा फॉलोअर्स हैं। ट्रम्प 43.2 मिलियन फॉलोअर्स के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

दुनिया के 5 बड़े लीडर्स के कुल फॉलोअर्स की संख्या अकेले मोदी के फॉलोअर्स की संख्या से कम है। ट्रम्प के बाद इंडोनेशिया के प्रेसिडेंट प्रबोवो सुबियांटो 15 मिलियन फॉलोअर्स का नंबर आता है।ब्राजील के प्रेसिडेंट लूला 14.4 मिलियन फॉलोअर्स के साथ चौथे नंबर पर हैं। तुर्की के प्रेसिडेंट एर्दोगन के 11.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

एनकाउंटर : सुरक्षाबलों ने दो नक्सलियों को किया ढेर, हथियार भी बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। यहां के इंद्रावती नदी क्षेत्र में गुरुवार को मुठभेड़ में दो वर्दीधारी नक्सली ढेर हो गए। बीजापुर एसपी डॉ. जितेंद्र यादव ने बताया कि मुठभेड़ के बाद की गई सर्चिंग में वर्दीधारी दो माओवादियों के शव बरामद किए गए। मुठभेड़ स्थल से एक एसएलआर राइफल, एक इंसास राइफल और एक 12 बोर राइफल सहित विस्फोटक तथा अन्य माओवादी सामग्री बरामद की गई है।

दरअसल सुरक्षाबलों को जांगला थाना क्षेत्र के इंद्रावती नदी के जंगलों में

नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद एक संयुक्त टीम ने एंटी माओवादी अभियान शुरू किया। जवानों को देखते ही नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में सुरक्षाबलों ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के बाद चलाए गए सर्च अभियान में दो वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद हुए। मौके से एक स्टेन, एक इंसास राइफल, एक 12 बोर राइफल, विस्फोटक सामग्री और दैनिक उपयोग के सामान भी जब्त किए गए हैं। फिलहाल इलाके में सर्चिंग अभियान जारी है।

उत्तरी बस्तर समिति के डीवीसीएम समेत तीन ने डाले हथियार

कांकेर। छत्तीसगढ़ में सीपीआई माओवादी की उत्तरी बस्तर समिति के डीवीसीएम मल्लेश, पार्टी सदस्य रानू पोडियाम और एके 47 के साथ माओवादियों के सहयोगी मासी ने कांकेर एसपी निखिल राखेचा के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण और पुनर्वास की प्रक्रिया जारी है। कांकेर में कुछ और माओवादी कैडरों के भी आत्मसमर्पण करने की संभावना है। साल 2003 से दण्डकारण्य अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर में नक्सल संगठन में रहकर सक्रिय भूमिका निभा रही मासे बारसा जंगल से निकलकर मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया और जंगल के रास्ते हाथों में ्च-47 लेकर कांकेर पुलिस अधीक्षक निखिल रखेचा के पास समर्पण कर दिया है।

बोर्ड परीक्षाओं में खिलाड़ियों और स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों को मिलेंगे बोनस अंक, आदेश जारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल की इस वर्ष आयोजित होने वाली बोर्ड परीक्षाओं में खेल एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से जुड़े विद्यार्थियों को अतिरिक्त अंक प्रदान किए जाएंगे। इसके तहत रायपुर जिले से 226 खिलाड़ियों और 78 स्काउट-गाइड विद्यार्थियों के नाम जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा अग्रेषित किए गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, खेल गतिविधियों के आधार पर कक्षा 12वीं के 118 और कक्षा 10वीं के 108 विद्यार्थियों को बोनस अंक दिए जाएंगे। वहीं स्काउट-गाइड गतिविधियों में 12वीं के 31 और 10वीं के 37 विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा।

नियमों के अनुसार राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को 10 अंक, राष्ट्रीय स्तर पर 15 अंक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने पर 20 अंक तक का प्रावधान है। एनसीसी गतिविधियों में आरडी परेड और मावलंकर शूटिंग के लिए 15 अंक, वायु, थल या नौसेना शिविर में भागीदारी पर 15 अंक तथा डी कैट शिविर के लिए 10 अंक दिए जाएंगे। स्काउट-गाइड में राज्यपाल पुरस्कार पर 10 और राष्ट्रपति पुरस्कार पर 15 अंक प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा साक्षरता कार्यक्रम या उल्लास नव भारत अभियान से जुड़े स्वयंसेवकों और अनुदेशकों को अधिकतम 10 अंक तक दिए जाने का प्रावधान है।

यह लाभ केवल उन्हीं विद्यार्थियों को मिलेगा, जिन्होंने भारतीय ओलंपिक संघ, युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफइंडिया अथवा अन्य मान्यता प्राप्त संस्थाओं द्वारा प्रमाणित प्रतियोगिताओं में भाग लिया हो। मंडल का मानना है कि इस पहल से विद्यार्थियों को खेल और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहन मिलेगा तथा समग्र विकास को बढ़ावा मिलेगा।

संपादकीय

रिश्तों में छल

विवाहेत्तर संबंधों से दरकता विश्वास

हाल ही में सामने आए एक सर्वेक्षण में, यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि जीवन साथी की निगरानी के लिये बड़ी संख्या में डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद ली जा रही है। तमाम विवाहेत्तर संबंधों की पड़ताल से बड़ी संख्या में शक सही निकल रहे हैं। हालांकि, इस सर्वे के दायरे और उसकी विश्वसनीयता की कसौटी के प्रश्न सामने हैं, लेकिन यह एक कड़वी हकीकत है कि हमारी पारिवारिक संस्था में अविश्वास की सेंध लग रही है। खाओ-पियो मौज करो की पश्चिमी संस्कृति के अंधानुकरण से वैवाहिक संस्था की शुचिता को आंच आई है। समाज में अलगाव, तलाक व हिंसक प्रतिशोध के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। रही सही कसर कथित सोशल मीडिया ने पूरी कर दी है, जिसने हमारे समाज में वर्जित माने जाने वाले भदेस विषयों को न्यू नॉर्मल बना दिया है। दरअसल, हाल के वर्षों में भारतीय समाज तेजी से संक्रमणकालीन दौर में जा पहुंचा है। कभी जिस रिश्ते को सिरे चढ़ाते वक्त जन्म-जन्मांतर साथ निभाने का वायदा किया जाता था, आज उसी जीवन साथी की निगरानी के लिये डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद ली जा रही है। यह दुखद ही है कि जिन जीवन मूल्यों, संयम व शुचिता के रिश्तों के लिये भारत दुनिया में जाना जाता था, वहां आज यौन स्वच्छंदता व विवाहेत्तर संबंधों का दायरा बढ़ रहा है। एक समय था कि भारतीय संयुक्त परिवार की छांव में संयमित व मर्यादित व्यवहार करते थे। बड़ों का अनुशासन मर्यादा की रक्षा करता था। कामकाज का स्वरूप और स्थानीय रोजगार भी जीवन व्यवहार को संतुलित व संयमित करते थे। लेकिन हमारी कार्य संस्कृति में बदलाव व देश-विदेश में कामकाज के लिये बाहर जाने के बाद व्यक्ति स्वच्छंद व्यवहार करने लगा। यही वजह है कि विदेश में रहने वाले पति या पत्नी के व्यवहार की पड़ताल के लिये डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद लेने के मामले लगातार उजागर हुए हैं। जिसके बाद मुकदमेबाजी, अलगाव व टकराव की खबरें सामने आने लगती हैं। दरअसल, विगत में भारतीय समाज में व्यक्ति के सार्वजनिक व्यवहार को संयुक्त परिवार व समाज संयमित करता था। लेकिन धीरे-धीरे आर्थिक आत्मनिर्भरता के बाद लोगों ने बड़े-बुजर्गों व समाज के हस्तक्षेप को अस्वीकार करना शुरू कर दिया। विगत में हमारी फिल्मों व टीवी निर्माताओं ने दर्शकों की भीड़ जुटाने के लिये हमेशा असामान्य वैवाहिक रिश्तों को अपनी कथावस्तु बनाया। इन असामान्य रिश्तों को इस ग्लैमर के साथ पेश किया जाता रहा है कि कालांतर उसका प्रभाव समाज पर नजर आने लगा। आज तो विदेशी धरती से संचालित इंटरनेट व सोशल मीडिया ने तो असामान्य रिश्तों की पराकाष्ठा दर्शा दी। विडंबना यह रही है कि मीडिया ने भी ऐसी नकारात्मक प्रवृत्तियों को इतनी तरजीह दी कि समाज के एक तबके में असामान्य रिश्तों को सामान्य माना जाने लगा। एक हकीकत यह भी है कि देश पर तमाम विदेशी आक्रांताओं ने भारतीय संस्कृति को इतनी क्षति नहीं पहुंचाई होगी, जितनी इंटरनेट व सोशल मीडिया के माध्यम से परोसी जा रही अपसंस्कृति ने विकृतियां पैदा की। नई पीढ़ी ही नहीं, उम्र दराज लोग भी कामदेव के मोहपाश में बंधे वर्जनाओं को लांघने लगे हैं। सोशल मीडिया पर बालाओं के मोहपाश में बंधकर गांठ का धन गंवाने वालों में बुजुर्गों की संख्या भी कम नहीं है। निस्संदेह, विवाह एक पवित्र बंधन है। जिसका निर्वहन संयम, सहजता, सहयोग, धैर्य और त्याग से ही होता है। लगता है कहीं न कहीं नई पीढ़ी लगातार धैर्य खोती जा रही है। रिश्तों के दीर्घकालिक निर्वहन का मूलमंत्र यही है कि हम जीवन-साथी की छोटी-मोटी कमियों को नजरअंदाज करके सामंजस्य के साथ जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाएं। असामान्य रिश्तों का अल्पकालिक सुख भले ही लुभाता हो, मगर उसकी कीमत परिवार को लंबे समय तक चुकानी पड़ती है। जिसका नकारात्मक प्रभाव बच्चों के मन-मस्तिष्क पर भी घातक होता है। निश्चित ही रिश्तों में छल की प्रवृत्ति भारत में मूल्यों वाली विवाह संस्था के लिये एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। इसका मुकाबला संयम, सहयोग, त्याग व समर्पण जैसे जीवन मूल्यों से ही संभव है।

> “ समाज में अलगाव, तलाक व हिंसक प्रतिशोध के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। रही सही कसर कथित सोशल मीडिया ने पूरी कर दी है, जिसने हमारे समाज में वर्जित माने जाने वाले भदेस विषयों को न्यू नॉर्मल बना दिया है। दरअसल, हाल के वर्षों में भारतीय समाज तेजी से संक्रमणकालीन दौर में जा पहुंचा है। कभी जिस रिश्ते को सिरे चढ़ाते वक्त जन्म-जन्मांतर साथ निभाने का वायदा किया जाता था, आज उसी जीवन साथी की निगरानी के लिये डिटेक्टिव एजेंसियों की मदद ली जा रही है।

इस्राइल से दोस्ती और गहरी करने का उपक्रम

पुष्परंजन

सवाल है, भारत को हेक्सागन समझौते में शामिल होना चाहिए, या नहीं? निर्गुट आंदोलन के फ़ाउंडिंग मेंबर होने के नाते, नई दिल्ली ने हमेशा से कट्टर गुट की पॉलिटिक्स से परहेज किया है।

नवंबर, 2025 में, भारत के कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल ने इस्राइल का दौरा किया था और भारत- इस्राइल फ़री ट्रेड एग्रीमेंट के लिए स्ट्रक्चर्ड बात चीत शुरू करने के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस पर साइन किए। वाणिज्य मंत्री के इस दौरे के दौरान 250 से ज़्यादा बी-टू-बी मीटिंग हुईं, साथ ही दोनों तरफ़ के बिज़नेस और सरकारी नेताओं को एक साथ लाने वाले फ़ोरम भी हुए। लेकिन ऐसा कुछ तय नहीं हुआ था कि भारत 'हेक्सागन अलायंस' का हिस्सा बनेगा। पीएम मोदी का दो दिवसीय इस्राइल दौरा 26 फ़रवरी, 2026 को समाप्त हो जायेगा। पूरी दुनिया की नज़र व्यापार से अधिक हेक्सागन समझौते पर है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी थी, कि मोदी और उनके समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू भारत- इस्राइल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप में हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे और सुरक्षा, साइंस-टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, एग्रीकल्चर, वॉटर मैनेजमेंट, ट्रेड, इकॉनमी और लोगों के बीच उभयपक्षीय संबंधों पर अगले कदमों पर चर्चा करेंगे। स्टॉकहोम स्थित 'सीपरी' ने 2025 में रिपोर्ट दी थी, कि इस्राइल 2020-24 में दुनिया का आठवां सबसे बड़ा हथियार एक्सपोर्टर था, और भारत इस्राइली हथियारों का सबसे बड़ा अकेला इंपोर्टर था, जो उस समय में इस्राइली एक्सपोर्ट का 34 प्रतिशत था। यह 34 प्रतिशत अब और कितना प्लस होता है, वह नए समझौते से स्पष्ट हो जायेगा।

नेतन्याहू ने कहा, 'मेरे सामने जो विज़न है, उसके हिसाब से हम एक पूरा सिस्टम बनाएंगे। हेक्सागन ऑफ़ अलायंस का मकसद ऐसे देशों की एक धुरी बनाना है, जो मुस्लिम कट्टरपंथी गुटों के खिलाफ एक जैसी राय रखते हों। एक नहीं दोनों कट्टरपंथी गुट। पहला, ईरान की सरपरस्ती वाली शिया धुरी, जिस पर हमने बहुत ज़ोरदार हमला किया है। और दूसरी, उभरती हुई कट्टरपंथी सुन्नी धुरी।'

हालांकि, किसी भी सरकार ने इस प्लान, या इसके सांप्रदायिक ढांचे का खुले तौर पर समर्थन नहीं किया है। नेतन्याहू की ख्वाहिश है कि इस समूह में भारत, इस्राइल, ग्रीस, साइप्रस और कुछ उदारवादी अरब व अफ्रीकी देश शामिल हों। यह दीगर है कि इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके विदेश मंत्री के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की तैयारी में है। नेतन्याहू ने जिन तीन देशों का नाम लिया, उनमें से ग्रीस और साइप्रस इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट के सदस्य हैं। 'आईसीसी' में जो कुछ पक रहा है, उसे काउंटर करने के वास्ते जो कुछ तैयारी नेतन्याहू की है, वो समझ में आने लगा है।

किंग्स कॉलेज लंदन में सिक्योरिटी स्टडीज़ के एसोसिएट प्रोफेसर एंड्रियास क्रेग कमेंट करते हैं, कि इस्राइली प्रधानमंत्री शायद अपने आइडिया को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हैं, लेकिन ज़रूरी नहीं कि 'हेक्सागन अलायंस' नाटो स्टाइल के समझौते जैसा हो। नेतन्याहू 'शिया एक्सिस', जिसे 'एक्सिस ऑफ़ रेज़िस्टेंस' भी कहा जाता है, के खिलाफ अपनी 'जीत' को दोहराने की कोशिश कर रहे हैं। यह मध्य-पूर्व में इस्राइली और पश्चिमी असर का विरोध करने वाले ईरान केंद्रित नेटवर्क है। लेबनान में हिज़्बुल्ला को ईरान सपोर्ट करता है, जिसे लंबे समय से इस इलाके का सबसे ताकतवर नॉन-स्टेट एक्टर माना जाता है। 2024 में इस्राइल द्वारा ज़्यादातर लीडरशिप को खत्म करने से पहले हिज़्बुल्ला तेहरान के साथ जुड़ा हुआ था।

इराक में तेहरान कई शिया हथियारबंद समूहों के साथ रिश्ते बनाए हुए है, जिसमें कताइब हिज़्बुल्ला जैसे ग्रुप शामिल हैं। हाल ही में, यमन में, हूथी, एक ज़ैदी शिया आंदोलन, खास तौर पर उभरा है, जिसे तेहरान ने अधोसंरचनात्मक सहयोग, ट्रेनिंग और हथियार दिए हैं। इसके बर'अक्स, सुन्नी अतिवादी समूह है। इस्राइल ने 2025 में इस इलाके के कम से कम 6 सुन्नी बहुल देशों पर हमला किया, जिसमें फ़लस्तीन, लेबनान, सीरिया और यमन शामिल हैं। गाज़ा से जुड़े ट्यूनीशिया और ग्रीस के इलाके में भी हमले किए। इस्राइल ने मिस्र, तुर्की, सऊदी अरब, इराक और जॉर्डन को भी धमकी दी है।

इस इलाके के कई सुन्नी-बहुल देशों ने इस्राइल के इलाके में लड़ाई के जवाब में कूटनीतिक तरीके से कोऑर्डिनेट किया है। इस्राइल ने 26 दिसंबर, 2025 को सोमालीलैंड को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता दी है। उस फैसले ने अरब लीग, खाड़ी सहयोग परिषद, अफ्रीकी यूनियन और इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) देशों के बाद अब चीन को भी इस्राइल के खिलाफ खड़ा कर दिया है। सोमालीलैंड, लाल सागर और बाब अल-मंडेब के पास होने की वजह से 'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' का सामरिक इलाका है, जिसने 1991 में गृहयुद्ध के दौरान सोमालिया से अलग होकर खुद को स्वतंत्र देश घोषित कर लिया था।

सवाल है, भारत को हेक्सागन समझौते में शामिल होना चाहिए, या नहीं निर्गुट आंदोलन के फ़ाउंडिंग मेंबर होने के नाते, नई दिल्ली ने हमेशा से कट्टर गुट की पॉलिटिक्स से परहेज किया है। भारत एक ही समय में चीन, रूस और अमेरिका के साथ जुड़ा रहता है। भारत के खाड़ी देशों में भी बड़े अच्छे रिश्ते हैं। नई दिल्ली के ईरान के साथ करीबी रिश्ते हैं, वह इन रिश्तों को 'सिविलाइज़ेशनल' बताता है। साथ ही भारत, सऊदी अरब के साथ स्ट्रेटेजिक को ऑपरेशन भी बढ़ा रहा है। अभी यह पता नहीं है कि कौन से अरब और अफ्रीकी देश नेतन्याहू के सोचे हुए 'हेक्सागन ऑफ़ अलायंस' का हिस्सा बनेंगे। इस बीच इस्राइली प्रेसिडेंट आइज़ैक हर्ज़ोग मंगलवार को इथियोपिया पहुंचे। मकसद हेक्सागन ऑफ़ अलायंस का हिस्सा बनने के वास्ते इथियोपिया को सहमत करना है।

इस्राइली राजनीतिक विश्लेषक ओरी गोल्डबर्ग ने कहा, 'सच तो यह है कि इस्राइल के पास हर तरह के टैक्टिकल, टेक्निकल पार्टनरशिप और अलायंस हो सकते हैं, लेकिन कोई भी इस्राइल को 10 फुट के डंडे से भी नहीं छूना चाहता। इस्राइली ब्रांड इतना खराब हो गया है कि इससे सिर्फ़ संभावित अराजकता और अस्थिरता ही आती है।' पोलिटिकल एनालिस्ट ओरी गोल्डबर्ग ने कहा, 'इस साल के आखिर में चुनाव होने हैं, इसलिए नेतन्याहू के पास राजनेता की तरह काम करने और यह तर्क देने का एक साफ मौका है कि इस्राइल डिप्लोमैटिक रूप से अलग-थलग नहीं है और वह अभी भी सार्थक क्षेत्रीय और क्षेत्रीय-बाहरी पार्टनरशिप कर सकता है।

मोदी ऐसे समय तेल अवीव पहुंचे हैं, जब वहां घरेलू राजनीतिक अंतर्विरोध चरम पर है। पीएम मोदी द्वारा इस्राइली संसद 'नेसेट' को सम्बोधित करना था। संसद के स्पीकर आमिर ओहाना ने सुप्रीम कोर्ट के प्रेसिडेंट यित्ज़ाक अमित को बुलाने से मना कर दिया, इससे भड़के विपक्ष के नेता यायर लैपिड ने नेसेट सत्र के बॉयकॉट का ऐलान कर दिया। 2016 से नेतन्याहू के खिलाफ रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और विश्वासघात के आरोपों वाले तीन मामलों में मुकदमा भी चल रहा है, जिसमें उन्हें जेल भी हो सकती है। अदालत से नेतन्याहू के छत्तीस के आकड़े हैं!

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

कनेक्शन और सेलिब्रेशन अपने पुराने तौर-तरीकों पर लौट रहे हैं

एन. रघुरामन

बचपन में हममें से ज्यादातर लोग पैरेंट्स के साथ 'सत्संग' में जाते थे। उनके बगल में बैठते थे। भले ही शायद हम न जानते हों कि भजनों के बोल क्या हैं और कैसे इन्हें गाया जाता है। कुछ लोगों ने शायद वो ऊर्जा तरंगें महसूस की होंगी और कुछ ने उन्हें अनदेखा किया होगा।

हममें से अधिकतर के लिए वे यादें बस दबकर रह गईं, क्योंकि हम भागदौड़ भरी कॉर्पोरेट दुनिया में कदम रख चुके थे। सत्संग का दौर दशकों तक दबा हुआ रहा, भुलाया नहीं गया, लेकिन शांत हो गया। फिर संगीत ने नया अवतार लिया। हम हाई ऑक्टेन इलेक्ट्रॉनिक बीट्स और चमकदार स्टूडियो प्रोडक्शन के दौर में आए, जहां क्लबों में लोग ग्लास हाथ मे लेकर तेज आवाज वाले ट्रैक्स पर नाचते थे, ताकि नशा उस रिदम को और बढ़ा दे।

अब 2026 में आते हैं, जहां माहौल बदल चुका है। विकसित देशों में हम जेन-जी को 'सॉबर क्यूरियस' मूवमेंट सेलिब्रेट करते देख सकते हैं। युवा अब ड्रिंक्स को ना कह रहे हैं और मानसिक व शारीरिक सेहत को प्राथमिकता दे रहे हैं। हालांकि, भारत में यही पीढ़ी इस सादगी को एक कदम और आगे ले गई है।

2025 से बीते महज एक वर्ष में ही कोलकाता के दो लोगों ने एक सांस्कृतिक बदलाव की शुरुआत की है। 'बैकस्टेज सिब्लिंग्स' के नाम से विख्यात राघव और प्राची अग्रवाल ने सत्संग की प्राचीन परंपरा को स्टेडियम कॉन्सर्ट जैसी सामुदायिक ऊर्जा से जोड़ कर आधुनिक संगीत को नया रूप दिया है।

भाई-बहन की इस जोड़ी ने लिविंग रूम में होने वाले 'भजन जैमिंग' सेशंस को राष्ट्रीय परिदृश्य में ला दिया, जिसे सोशल मीडिया पर 'भजन क्लबिंग' कहते हैं। यह एक खास वैश्विक बदलाव की ओर इशारा करता है कि जेन-जी अब कनेक्शन और सेलिब्रेशन के कैसे तरीके तलाश रही है।

देशभर में उनके शोज को युवा खुले मन से अपना रहे हैं। दक्षिण में बेंगलुरु से लेकर मध्य भारत के इंदौर और उत्तर के चंडीगढ़ तक वे खुद से भीतरी जुड़ाव कायम रखने की नई पहचान बन चुके हैं। पारंपरिक धार्मिक संगीत की औपचारिकताओं को कम करके और उसमें सूफी और बॉलीवुड धुनों की इन्फ्यूजिंग कर उन्होंने जेन-जी और मिलेनियल्स को ऐसा माहौल दिया है, जहां वे घर जैसा महसूस करते हैं।

उनकी परफॉर्मेंस की असल खूबसूरती सादगी में है। ऊंचे मंचों वाले परंपरागत कॉन्सर्ट से अलग, वे दोनों अकसर फ्लोर पर बैठ कर प्रस्तुति देते हैं। उनके चारों ओर दर्शक बैठे होते हैं। उनके सेशंस के कुछ स्पष्ट नियम हैं : न शराब और न खाना। इससे ऊर्जा शुद्ध और पूरी तरह संगीत पर केंद्रित रहती है।

वे इंटरेक्टिव सहभागिता को प्रोत्साहित करते हैं, जहां दर्शक सुनते ही नहीं बल्कि साथ में गाते और जपते हैं। तेज आवाज वाली वेस्टर्न बीट्स की जगह सोलफुल, एकॉस्टिक धुनों ने ले ली है, जो ध्यान जैसी अवस्था पैदा करती हैं। वे बिना बाधाओं वाला खुला और गर्मजोशी का माहौल बनाते हैं, जहां उद्देश्य महज गाना और संगीत को महसूस करना होता है।

वह हर किसी को भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करते हैं, फिर चाहे वह पारंपरिक भजन, कोई बॉलीवुड क्लासिक या कविता हो। 50 लोगों के साथ उनके लिविंग रूम में शुरू हुई शौकिया भजन जैमिंग धीरे-धीरे ऐसे मूवमेंट में बदल गई, जिसने मनोरंजन में गहराई तलाश रही एक पूरी पीढ़ी को जोड़ लिया।

राघव और प्राची की सफलता की वजह उनकी परवरिश है। वे अकसर अपने पिता के साथ पारंपरिक भक्ति सभाओं में जाते थे। इसे पारिवारिक आस्था कहें या परंपरा, जो उनके तन-मन में गहराई से पैठ गई। इसी कारण से वे अपने नजरिए से जेन-जी के लिए एक नया कनेक्शन बना सके, जबकि एक ऊंची तनख्वाह वाली कॉर्पोरेट जॉब करते हुए वे पहले ही समाज की नजरों में तो सफल ही थे।

फंडा यह है कि बचपन में एक ऐसा अच्छा बीज बोइए, जिस पर आपको भरोसा हो कि वह गहरी जड़ें पकड़ेगा, और फिर भूल जाइए। वही बीज एक दिन नए रूप में फल देगा और पूरी नई पीढ़ी के लिए खुशी और उद्देश्य लेकर आएगा।

खेल भावना के अनुरूप नहीं है यह व्यवहार

जय सिंह रावत

किसी स्थापित परंपरा को तजना हैरानीजनक है और खेल शिष्टाचार की कमी दिखाता है। जब पाकिस्तान के खिलाफखेलने, साथ में कमेंट्री करने, प्रसारकों और टीमों को पैसा कमाने में मदद करने में कोई आपत्ति नहीं है तो मैदान पर आधिकारिक हाथ मिलाने में क्या हर्ज है।

आखिर में, शेक्सपियर के शब्दों में 'यह एक मूर्ख द्वारा सुनाई कहानी जैसा रहा, हो-हल्ले और आवेश से भरी, पर सिर-पैर कोई नहीं'। बैट और बॉल के बीच मुकाबले के रूप में चलाई गई गोलियों की इस लड़ाई में, किसी को अंदाज़ा नहीं कि खेल का अंतिम परिणाम क्या होगा, सिवाय उन लोगों के लालच को संतुष्ट करने के, जिन्हें कैश काउंटिंग मशीन की सरसराहट भरी आवाज़ पसंद है।

दंभ भरे दिमागों के टूटे हुए टुकड़ों को जोड़ने और मैच कराने के लिए खर्च की गई ऊर्जा आखिकार क्या इसी लायक थी? एक समय था जब भारत-पाकिस्तान मैच, भले ही मुकाबला ज्यादातर रोमांचक न भी हो, दोनों तरफ के खिलाड़ियों के ज़बरदस्त खेल कौशल का नमूना हुआ करता था। क्रिकेट के नज़रिए से, यह देखना दुखद है कि एक समय काफी मज़बूत रहा पाकिस्तान अब घबराए हुए, अनाड़ी खिलाड़ियों की टीम सरीखा है, खिंचाई करने वाले अपने से बड़े बच्चों की टोली में फंसे एक सहमे बालक की तरह।

आश्चर्य और रोमांचक संभावनाओं से भरपूर विश्व कप, जो कट्टर परंपरावादियों तक को क्रिकेट के टी-20 प्रारूप के प्रति अपनी नापसंदगी पर फिर से सोचने पर मजबूर कर दे, भारत-पाकिस्तान का मैदान से इतर चला नाटक इस बात की बेतरह याद दिलाता है कि खेल का राजनीति के साथ घालमेल क्यों नहीं करना चाहिए। जिस प्रकार, नए छोटे देशों ने क्रिकेट के इस प्रारूप को अपनाया है और पुरानी टीमों को भी चुनौती दे रहे हैं, उससे टेस्ट क्रिकेट के अवसान को लेकर बना डर और पक्का हो चला है। जब नेपाल इंग्लैंड को लगभग हरा सकता है, यूनाइटेड स्टेट्स की टीम भारत के धमाकेदार बैटिंग को लगभग नाकाम कर डाले और ज़िम्बाब्वे बड़ी जीत हासिल कर सकता है, तो यह साफ़ है कि टी-20 की दुनिया में कोई भी अजेय दिग्गज नहीं है।

टेस्ट मैच प्रारूप खेलने वाले देशों का कुलीन क्लब लंबे समय तक ऐसे देशों की तलाश करता रहा, जिनसे सदस्यों की सीमित संख्या बढ़ सकें, लेकिन कोई फायदा नहीं। इसके विस्तार में नाकामी, अन्य कई कारणों के अलावा, इसके लिए आवश्यक मुश्किल कौशल पास न होना भी हो सकते हैं, जिनमें महारत हासिल करने में समय और एक माकूल क्रिकेट संस्कृति खपती है।

1970 के दशक के बाद से यह माना जाता था कि जहां टेस्ट क्रिकेट नाकाम रहा, वहां 50 ओवर का खेल कामयाब होगा। हालांकि इसने सदस्यता का अंतर कम किया और 'औसत दर्जे की' टीमों को मुकाबला करने का मौका दिया, लेकिन इसमें भी खेल का मुख्य प्रारूप लगभग टेस्ट क्रिकेट जैसा ही रहा, अफगानिस्तान एक दुर्लभ अपवाद है। लेकिन टी-20 ने सचमुच न सिर्फ क्रिकेट खेलने के तरीके में क्रांति ला दी है, बल्कि उन देशों की कल्पना को भी जगाया है जो थकाऊ और ऊर्जा खपाऊ टेस्ट क्रिकेट में रणनीतिक कौशल में पिछड़ने पर हार की शर्मिंदगी से बचना चाहते थे।

हमारे मौजूदा समय के लिए एक उक्ति जो एकदम सही बैठती है : 'जल्दबाज़ी एक खूबी है; सब्र एक बुराई'। क्रीज पर धैर्य और कुशलतापूर्ण एकाग्र नज़र, बैटिंग के दो ऐसे आधार स्तंभ, जिनसे एक पारंपरिक टेस्ट बल्लेबाज सफल होता है। उसे अपने जल्दबाज़ी पर काबू पाने, सही समय का इंतजार करना और राजमिस्त्री की तरह ईंट-दर-ईंट पारी का निर्माण बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसे दरवाज़े की नॉब ठीक करने की बजाय एक पूरा महल उसारना होता है।

जबकि टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजी एक रेसिंग ट्रैक है, जिस पर चलाने को चालक को गियर-विहीन कार दी जाती है। कोई सड़क कहीं भी ऊबड़-खाबड़ नहीं होती, निबटने को कोई खतरा नहीं । उसके पास रोमांच पैदा करने और जीत हासिल करने का लाइसेंस है। इसके लिए बेहतर छवि होगी मशीन गन या उससे भी घातक हथियार पकड़े हुए एक बंदा जो तूफान की भांति तड़ातड़ गोलियां बरसा रहा है। यह ज्वालामुखी विस्फोट जैसा है, जिसने बहुत सारे 'साहसी युवाओं' को सम्मोहित कर रखा है और 'बोर' हुए बड़ों तक को अपनी लत में फांस लिया है।

पांच दिन चलने वाला खेल सिमटकर सिर्फ साढ़े तीन घंटे का खेल रह गया है, इसने क्रिकेट के व्याकरण को उलट दिया है। 360 डिग्री घूमने वाले बैट, गायब होते डिफेंसिव प्रोड्स, स्कूप और रिवर्स स्वीप, रैंप अप, जानबूझकर बैट के किनारे से मारे गए शॉट जो बाउंड्री की ओर बिजली की तरह लपकते हैं। यह एक तबाही बरपाने जैसा है और इस बौछार का मुकाबला करने के लिए बॉलर भी धोखा और चकमा देने के नए-नए तरीके ईजाद कर रहे हैं। फिंगर फ्लिक, नकल बॉल्स, साइड-ऑन रिलीज़, सटल पॉज़ और अनेकानेक किस्म की स्पीड वेरिएशन उन कई तरीकों में हैं, जिनका इस्तेमाल बैट्समैन को बांधकर रखने की उम्मीद में किया जा रहा है। टिके रहने लिए गेंदबाज को जादूगर बनना होता है वरना जल्द ही हार का सामना करना पड़ेगा।

जब क्रिकेट पागलपन वाली रफ्तार से खेला जा रहा हो और दुनिया इसे अपना रही है, तो क्या भारत और पाकिस्तान के लिए मैदान पर अपना कोई अजीब ड्रामा करना ज़रूरी था? मैं सूर्यकुमार यादव का, बतौर एक बैट्समैन और उनके चेहरे की भंगिमाओं की कला का कायल हूं, जो किसी मंजे हुए अभिनेता तक को मात देती हैं, वे अपना चेहरा सिकोड़ते और फैलाते हैं, अपना माथा सपाट करते हैं, कभी-कभी अपनी जीभ भी निकालते हैं और आंखें बाहर निकालकर भावनाओं का प्रदर्शन करते हैं।

गुणों से परिपूर्ण भारतीय कप्तान को यह शोभा नहीं देता कि वह ऐसा व्यवहार दिखाए और अपने विरोधी कप्तान से हाथ मिलाने से मना कर दे। एक स्थापित परंपरा को तजना हैरान-परेशान करने वाला है और खेल शिष्टाचार की पूर्णरूपेण कमी दिखाता है। भारत कुछ महीने पहले खेले गए एशिया कप में तीन मैचों के दौरान की गई अपनी हरकत को दोहराकर क्या साबित करना चाहता है?

जहां एक ओर यादव ने शायद किसी के निर्देशों पर, टॉस के दौरान पाकिस्तान के कप्तान से सीधी नज़र नहीं मिलाई और हाथ मिलाने की रस्म के लिए टीमें लाइन में नहीं लगीं, वहीं दूसरी ओर भारत के पूर्व कप्तान और खेल के प्रतीक रहे रोहित शर्मा को पाकिस्तान के किंवदंती बने पूर्व खिलाड़ी वसीम अकरम को गले लगाते हुए कैमरों ने कैद कर लिया। यह दो इंसानों का एक-दूसरे को शुभकामना देने का एक मिसाल था।

हमें आपके खिलाफ खेलने में कोई दिक्कत नहीं, हमें भारत और पाकिस्तान के पुराने धुरंधरों के साथ कमेंट्री करने, एक-दूसरे के चुटकुलों पर हंसने और मुस्कुराने, ब्रॉडकास्टर्स की मदद करने और दोनों टीमों द्वारा पैसे कमाने में कोई दिक्कत नहीं होती, लेकिन कृपया, मैदान पर आधिकारिक रूप से हाथ न मिलाएं। दोगलेपन की न तो कोई हद होती है, न ही कोई बाउंडरी।

लेखक वरिष्ठ खेल पत्रकार हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

क्रिकेट श्रृंखला के पहले मैच में छत्तीसगढ़ ने ओडिशा को हराया

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ द्वारा अंडर-23 महिला वन डे एक्सपोजर क्रिकेट श्रृंखला के पहले मैच में छत्तीसगढ़ ओडिशा को हरा कर 1-0 की बढ़त बना ली है। छत्तीसगढ़ ने पहले बैटिंग करते हुए 166 रन बनाए। 167 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ओडिशा की टीम 123 रन पर सिमट गई। हालांकि पूजा दास ने 53 रन की अर्धशतकीय पारी खेली।

नेशनल कराटे टूर्नामेंट के लिए छत्तीसगढ़ की टीम रवाना

भिलाई। छत्तीसगढ़ कराटे एसोसिएशन की टीम 26 फरवरी को ऑल इंडिया कियो नेशनल कराटे टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए दिल्ली रवाना हो गई। 26 से 30 फरवरी तक आयोजित प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ कराटे एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी अमल तालुकदार, वर्किंग प्रेसिडेंट ब्रह्मया नायडू, कोच डी. रमेश, अमर और मुरली भारद्वाज भी रवाना हुए।

क्रॉसकंट्री स्पर्धा के लिए हेमचंद विवि की टीम रवाना

भिलाई। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की क्रॉस कंट्री महिला टीम मेंगलोर विश्वविद्यालय कर्नाटक के लिए रवाना हुई। 27 फरवरी को अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयीन क्रास कंट्री स्पर्धा होगी। प्रतियोगिता में भगवती, निशा साहू, छवि दिल्लीवार, आंचल साहू, साक्षी यादव और रिया हेमचंद विवि का प्रतिनिधित्व करेंगे। कुलपति प्रो. संजय तिवारी और कुलसचिव भूपेंद्र कुलदीप ने बेहतर प्रदर्शन की कामना की।

अवैध रेत खनन वाले पंचायतों पर कार्रवाई हो

पाटन। ब्लॉक के ग्राम पंचायत खुड़मुड़ी में सरकारी भूमि पर अवैध रेत खनन का कार्य बड़े पैमाने पर किया जा रहा था, लेकिन शिकायत के बाद वर्तमान में खनन बंद कर दिया गया है। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के पदाधिकारियों ने एसडीएम को आवेदन देकर खुड़मुड़ी पंचायत पर छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता के तहत कार्रवाई करने की मांग की है। पार्टी के मधुकांत साहू, अशोक साहू, बबलू साहू, चन्द्रकान्त वर्मा, राजूलाल आदि मौजूद रहे।

ई-सिटी बस जल्द, सीधे रायपुर एम्स, डीकेएस तक जा सकेंगे

भिलाई। दुर्ग-भिलाई सहित आसपास क्षेत्र के लोगों को सस्ती परिवहन सुविधा जल्द उपलब्ध होगी। आने वाले कुछ महीने में शहर की सड़कों पर इलेक्ट्रिक सिटी बसें दौड़ेंगी। इन बसों का रूट तैयार किया जा रहा है। पुरानी योजना के तहत जिला प्रशासन ने 13 रूट बनाए थे, जिसमें अब कुछ और नए रूट तय करने पर विचार किया जा रहा है। ई-सिटी बस सेवा से लोग सीधे रायपुर एम्स, डीकेएस अस्पताल, घड़ी चौक तक का सफर कर सकेंगे। दूसरी दिशा में राजनांदगांव तक के लिए भी सिटी बस चलाने की योजना है। आयुक्त कार्यालय में हुई बैठक में ई-बस के रूट को लेकर चर्चा की गई। आयुक्त राजीव पांडेय ने कहा कि दुर्ग से सीधे एम्स और डीकेएस अस्पताल रायपुर जाने का भी रूट होना चाहिए। इसके लिए रूट तैयार किये जायें।

भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग में राजभाषा अंतर्गत संस्मरण-प्रस्तुति कार्यक्रम सम्पन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग में राजभाषा गतिविधियों के अंतर्गत संस्मरण-प्रस्तुति कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. परदेशी राम वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन का उद्देश्य राजभाषा हिंदी के प्रभावी प्रयोग को प्रोत्साहित करना तथा कर्मचारियों में सृजनात्मक लेखन एवं अभिव्यक्ति कौशल का विकास करना था।

इस अवसर पर डॉ. परदेशी राम वर्मा ने संस्मरण-लेखन एवं उसकी प्रभावी प्रस्तुति पर प्रेरक उद्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि जो कुछ व्यक्त हो रहा है उसे ग्रहण करना और जो ग्रहण किया है उसे प्रभावी रूप से व्यक्त करना—यदि कोई यह कला सीख लेता है, तो उसका जीवन सार्थक हो जाता है। उन्होंने अपने मार्गदर्शन से प्रतिभागियों को सृजनात्मक अभिव्यक्ति के प्रति प्रेरित किया।

महाप्रबंधक (नगर सेवाएँ) एवं सम्पदा अधिकारी राजेश कुमार साहू, मूल्यांकन सहायक के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन राजभाषा के संवर्धन के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास में भी सहायक सिद्ध होते हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में राजेश कुमार साहू ने 27 वर्ष पूर्व की एक प्रेरक घटना साझा करते हुए संदेश दिया कि शिक्षित एवं संस्कारित व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी शांत, संयमित एवं सकारात्मक व्यवहार बनाए रखता है।

16 पंजीकृत प्रतिभागियों में से 10 ने मंच पर प्रस्तुति दी। श्रेष्ठ पाँच प्रस्तुतियों को पुरस्कृत किया गया। प्रथम पुरस्कार उप प्रबंधक नन्द किशोर बोरकर, द्वितीय पुरस्कार सहायक महाप्रबंधक पी.एस. सिदार तथा शिक्षा विभाग के डॉ. शीतल चन्द्र शर्मा को दिया गया। तृतीय पुरस्कार आर शेषाद्रि अय्यर को तथा प्रोत्साहन पुरस्कार जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक पी.एल. साहू को प्रदान किया गया। अन्य सभी प्रतिभागियों को उनकी सहभागिता के लिए सम्मानित किया गया।

श्रमिकों के मुद्दों पर पीएम और सीएम के नाम कलेक्टर को ज्ञापन, ठोस निर्णय की अपील

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। भारतीय मजदूर संघ के 21 वे अखिल भारतीय त्रि-वार्षिक अधिवेशन में देश भर से उपस्थित श्रमिकों से संबंधित ज्वलंत मुद्दों पर गहराई से चर्चा हुई थी। तत्पश्चात सभी प्रस्तावों को सर्वानुमति से पारित किया गया। इस अधिवेशन से पहले भारतीय मजदूर संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने श्रम एवं रोजगार मंत्री से मुलाकात की थी तथा अनेक मांगों का एक ज्ञापन पत्र उन्हें सौंपा था। मुलाकात के वक्त मंत्री ने प्रतिनिधि मंडल को भरोसा दिलाया था कि, उठाए गए मुद्दों की जांच कर अतिशीघ्र इसका समाधान किया जाएगा परंतु कोई समाधान न निकालने की स्थिति में 25 फरवरी को पूरे देश में प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देने का निर्णय किया गया प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन के प्रमुख मांग है।

इसी सिलसिले में भामसं भिलाई दुर्ग ने मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा। ज्ञापन में सभी सेक्टर तथा सभी श्रमिकों के लिए, श्रम कानूनों को बिना किसी छूट के, अंत्योदय की सच्ची भावना के साथ एक साथ लागू करने की अपील की गई है।

लेबर कोर्ट अर्थात इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड 2020 तथा आक्यूपेशनल सेफ्टी हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशन कोड 2020 में व्याप्त श्रमिकों की चिंताओं का समाधान करने की मांग की गई है।

इसके अलावा त्रिपक्षीय तंत्र का पुनरुद्धार एवं सुदृढ़ीकरण करने, इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस बुलाने, त्रिपक्षीय कमेटियों का पुनर्गठन करने तथा यह भी सुनिश्चित करने की मांग की गई कि यह समितियां प्रभावी और नियमित रूप से श्रमिकों के कल्याण के लिए व्यवहारिक कार्य करें।

साथ ही न्यूनतम पेंशन 1000 मासिक से बढ़ाकर 7500 रुपए करने तथा इसे मासिक महंगाई भत्ते के राहत के साथ लागू करने की मांग की गई है।

सीपीएफ में अनिवार्य अंशदान के लिए वर्तमान वेतन सीमा 15000/ प्रतिमाह को बढ़कर 30000 प्रतिमाह करने, ईएसआईसी कवरेज के लिए मासिक वेतन सीमा वर्तमान में 21000 प्रति को बढ़ाकर 42000 प्रति माह करने की मांग शामिल है। इसके साथ ही बोनस की पात्रता हेतु कैलकुलेशन की वर्तमान सीलिंग 7000 तथा एलिजिबिलिटी सीलिंग लिमिट रूपए 21000 रू प्रतिमाह में बढ़ोतरी की जाए।

भामसं की मांग है कि संविधान के अनुच्छेद 14, 15 ,16 और 21 की मूल भावना के अनुसार, स्कीम वर्कर और ठेका श्रमिकों को स्थाई किया जाए। आम भर्ती पर लगी रोक को तुरंत हटाया जाए तथा नौकरियों में बिना किसी अनिश्चितता या असुरक्षा के ग्यारंटीड रोजगार का भरोसा दिया जाये।

इसी तरह मुख्यमंत्री विष्णु साय के नाम सौंपे गए ज्ञापन में चौदह बिन्दुओं का मांगपत्र सौंपा गया है जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की इकाई वार समस्याओं का विस्तार के साथ उल्लेख करते हुए समाधान की मांग की गई है।

स्पीडी ट्रायल इन केसेस पर सेमीनार का आयोजन

दुर्ग। जिला न्यायालय परिसर, दुर्ग के नवीन सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के तत्वावधान में 'स्पीडी ट्रायल इन केसेस एण्ड द सक्सेशन एक्ट' विषय पर विधिक सेमीनार का आयोजन किया गया। सेमीनार का उद्देश्य सिविल प्रकरणों के त्वरित निराकरण तथा उत्तराधिकार से संबंधित मामलों में प्रभावी एवं समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने के उपायों पर विचार-विमर्श करना था। वक्ताओं ने सिविल प्रकरणों के त्वरित निष्पादन की कार्यप्रणाली तथा उत्तराधिकार अधिनियम से संबंधित प्रावधानों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

ऑपरेशन विश्वास : सिंथेटिक हेरोईन के साथ चार गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिले की छावनी थाना पुलिस ने ऑपरेशन विश्वास के तहत 6.89 ग्राम सिंथेटिक हिरोईन (चिट्टा) के साथ 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन विश्वास के अंतर्गत 25 फरवरी को छावनी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बैकुंठ धाम दशहरा मैदान, कैम्प-02 के पास कुछ व्यक्ति सिंथेटिक हिरोईन (चिट्टा) बिक्री हेतु ग्राहक की तलाश में हैं। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा मौके पर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान 4 व्यक्तियों को पकड़ा गया।

पृथक-पृथक तलाशी लेने पर उनके कब्जे से कुल 6.89 ग्राम सिंथेटिक हिरोईन (चिट्टा), 01 मोटर सायकल, 03 मोबाईल फोन एवं नगद 500 रूपये जप्त किया गया। मामले में आरोपियों के विरुद्ध धारा 8(सी), 21 (ए), 29 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नौकरी के नाम पर ठगने की घटनाएं थमने का नाम ही नहीं ले रही हैं। जिले की छावनी थाना पुलिस ने रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर सात लाख की ठगी करने वाले दो अरोपियों को मध्यप्रदेश के रींवा से गिरफ्तार किया है।

प्रार्थिया सरोज पटेल, उम्र 43 वर्ष, निवासी हनुमान मंदिर के पास, प्रगति नगर, कैंप 1, भिलाई द्वारा थाना छावनी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि आरोपी पायल पांडे एवं सिद्धमून उर्फ लाल पांडे, निवासी प्रगति नगर कैंप 1, भिलाई तथा सिद्धमून उर्फ लाल पांडे, निवासी प्रगति नगर कैंप 1, भिलाई को विधिवत हिरासत में लेकर थाना छावनी लाया गया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा अपराध करना स्वीकार किए जाने पर विधिसम्मत कार्रवाई की गई तथा न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की नौकरी या सरकारी पद दिलाने के नाम पर धनराशि की मांग किए जाने पर सतर्क रहें तथा ऐसे मामलों की सूचना तत्काल पुलिस को दें। धोखाधड़ी करने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

तेज डीजे पर कलेक्टर सख्त, दिए जब्ती के निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। जनदर्शन में डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा भी उपस्थित थे। जनदर्शन में अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, सीसी रोड निर्माण, ऋण पुस्तिका सुधार, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 137 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्राप्त

अनेक आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को फोन कर प्रकरणों की जानकारी ली और आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

इसी कड़ी में नयापारा वार्ड नं. 1 निवासी ने प्राचार्य द्वारा अभद्र व्यवहार करने और उनकी बेटी की जन्मतिथि में सुधार नहीं करने का आरोप लगाया है। इस पर कलेक्टर ने प्राचार्य को फोन लगाकर वस्तुस्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर ने दस्तावेजों के आधार पर उचित कार्यवाही करने को कहा।

महतारी वंदन योजना के तहत राशि दिलाने की मांग की। उन्होंने महतारी वंदन योजना की राशि पिछले तीन माह से नहीं मिलने की शिकायत की है। इस पर कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग को कार्यवाही करने को कहा।

कुरूद के सुंदर विहार एवं प्रगति नगर क्षेत्र के रहवासियों ने बताया कि नालंदा इंग्लिश मीडियम स्कूल के समीप स्थित प्रीत पैलेस में देर रात तक तीव्र ध्वनि में डीजे चलाया जाता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई, मरीजों व बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर कलेक्टर ने निर्धारित अवधि के बाद साउंड सिस्टम संचालित किए जाने पर जप्ती की कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

एक किलो से अधिक गांजा के साथ पकड़ाया विक्रेता

भिलाई। जिले की थाना सुपेला पुलिस ने अवैध गांजा बिक्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कब्जे से 01 किलो 140 ग्राम गांजा एवं बिक्री रकम जप्त किया है।

मिली जानकारी के अनुसार 25 फरवरी को सुपेला पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि फरीद नगर डेरा बस्ती स्थित शासकीय स्कूल के पीछे झाड़ियों के नीचे एक व्यक्ति अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा बेच रहा है। पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से सफेद प्लास्टिक थैले में रखा 1 किलो 140 ग्राम गांजा तथा बिक्री रकम बरामद हुई। आरोपी ने अपना नाम प्रकाश धुर्वे, उम्र 37 वर्ष बताया।

होंडा शाइन का लॉक तोड़ना आसान इसलिए उसी की चोरी

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। भिलाई नगर पुलिस ने राज्यस्तरीय दोपहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है तथा उनके कब्जे से चोरी की 31 वाहनों को जब्त किया है। आरोपियों में मुख्य आरोपी का नाम ई पापा राव है जो कि भोपाल से मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिप्लोमा है और पोकलेन का हाइड्रोलिक मैकेनिक है।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों ई. पापा राव, निवासी कुशालपुर, चंगोरा भाठा, जिला रायपुर, मनोज राम, निवासी कुनकुरी, जिला जशपुर तथा राम सेवक प्रजापति उर्फ रवि पद्य, निवासी कुनकुरी, जिला जशपुर को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपी बीएसपी मुख्य गेट स्थित पार्किंग और भिलाई भट्टी क्षेत्र में रखी गाड़ियों को निशाना बनाते थे। पापा राव ने बताया कि होंडा शाइन बाइक का लॉक तोड़ना आसान होता है, इसलिए वो सिर्फ यही बाइक चुराता था। जांच में पता चला हैं कि आरोपी ने रायपुर में खुद के लिए 30 लाख का घर बनाया है। घर के लिए उसने कर्ज लिया था, कर्ज चुकाने के लिए बाइक चोरी करता, फिर उसे कुनकुरी में बेच देता था। पापा राव के बच्चे शहर के बड़े स्कूलों में पढ़ाई कर रहे।

बीएसपी में बिक्री संवर्धन के लिए ग्राहक संवाद का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी के विपणन एवं व्यवसाय नियोजन (मार्केटिंग एंड बिसनेस प्लानिंग) विभाग के सभागार में 24 फरवरी 2026 को स्टील स्क्रैप, आयरन स्क्रैप, कमर्शियल रेल्स आदि जैसे द्वितीयक इस्पात वस्तुओं की बिक्री को अधिकतम करने तथा ग्राहकों एवं विपणन अधिकारियों के मध्य समन्वय सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक ग्राहक मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक (विपणन) पी. सुब्बा राव ने की। इस अवसर पर प्रमुख कुछ स्थानीय ग्राहकों आशीर्वाद इस्पात, विंध्यवासिनी स्टील इंडस्ट्रीज, काकन ट्रेडिंग इंडस्ट्रीज आदि के प्रतिनिधियों के साथ-साथ विपणन एवं व्यवसाय नियोजन (एम एंड बीपी), वित्त एवं लेखा,

सी एंड आईटी तथा एमआरडी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के प्रारंभ में विपणन विभाग द्वारा हाल ही में अपनाई गई डिजिटलीकरण पहलों की विस्तृत जानकारी साझा की गई। इनमें ई-नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता, ऑनलाइन भुगतान प्रणाली में सुधार, ग्राहक पोर्टल की सुदृढ़ता, दस्तावेज़ीकरण की त्वरित प्रक्रिया तथा परिचालन दक्षता बढ़ाने के उपाय शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य तेज़, पारदर्शी एवं ग्राहक-अनुकूल सेवा सुनिश्चित करना है, जिससे व्यवसायिक सुगमता एवं ग्राहक संतुष्टि में वृद्धि हो सके।

परस्पर संवाद सत्र के दौरान ग्राहकों ने अपने दैनिक कार्य निष्पादन में आने वाली विभिन्न व्यावहारिक चुनौतियों को रेखांकित किया। इनमें वीएएन भुगतान में विलंब, हालिया ई-नीलामियों में दोषपूर्ण इस्पात वस्तुओं की सीमित उपलब्धता, क्रेन की उपलब्धता से संबंधित समस्याएँ, उठाई गई सामग्री की अवशिष्ट मात्रा के समायोजन में जटिलताएँ, एरिया पास एवं श्रमिक संबंधी प्रक्रियागत समस्याएँ तथा ग्राहक पोर्टल में अपेक्षित लचीलेपन का अभाव प्रमुख रहे। इन सभी बिंदुओं को संज्ञान में लेते हुए सीएंडआईटी, एफएंडए तथा एमआरडी के साथ समन्वय स्थापित कर चरणबद्ध समाधान सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया गया।

ग्राहकों ने सुझाव दिया कि विपणन अधिकारियों के साथ संयंत्र परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों का संयुक्त भ्रमण आयोजित किया जाए, जिससे अनुपयोगी अथवा निष्क्रिय पड़ी अतिरिक्त सामग्रियों एवं स्पेयर पार्ट्स की पहचान कर उन्हें भविष्य में विक्रय हेतु सूचीबद्ध किया जा सके।

बोर्ड परीक्षा का औचक निरीक्षण, शत प्रतिशत रही परीक्षार्थियों की उपस्थिति

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार मिश्रा ने आज छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षाओं का जायजा लेने के लिए शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला निकुम (सेजस), तिरगा और अंडा केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

इस दौरान उनके साथ सहायक संचालक समृद्धि जोशी, राधिका यदु, अमल कुमार दुबे और जावेद कुरैशी का विशेष निरीक्षण दल भी मौजूद रहा। अधिकारियों ने परीक्षा हॉल में जाकर बैठक व्यवस्था और सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की।

निरीक्षण के दौरान सभी केंद्रों पर परीक्षा अत्यंत शांतिपूर्ण और अनुशासित वातावरण में संचालित होती पाई गई। एक विशेष उपलब्धि यह रही कि इन केंद्रों पर सभी नामांकित परीक्षार्थी उपस्थित मिले और किसी भी छात्र की अनुपस्थिति दर्ज नहीं की गई।

जिला शिक्षा अधिकारी ने केंद्रों में पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए केंद्र अध्यक्षों को निर्देशित किया कि पूरी परीक्षा अवधि में शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखी जाए। जिला प्रशासन के इस कड़े रुख और औचक निरीक्षण से परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त नजर आईं।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

ट्रेफिक वायलेशन फ्री जोन बनाने क्रमशः सेक्टर का किया जा रहा विस्तार

बिलासपुर। यातायात पुलिस बिलासपुर द्वारा ट्रेफिक वायलेशन फ्री जोन बनाने अब क्रमशः सेक्टर का विस्तार किया जा रहा है। साथ ही पूर्व निर्धारित सेक्टर के अलावा अन्य जगहों पर सेक्टर निर्धारित करके सख्त कार्यवाही की जा रही है। अभी तक 5 सेक्टरों को ट्रेफिक वायलेशन फ्री जोन बनाई जा चुका है। पीपीपी मॉडल पर सभी सेक्टर में सुगम आवागमन हेतु विशेष प्रयास किया जा रहा है। भुतल एवं सड़क परिवहन मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देश पर पुलिस मुख्यालय, एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामगोपाल करियारे के पर्यवेक्षण में 1 जनवरी 2026 से लेकर लगातार जिले में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है इस दौरान योजनाबद्ध एवं समय बद्ध तरीके से सडक सुरक्षा हेतु बहु आयामी उद्देश्यों को लेकर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जिले में यातायात नियमों के पालन एवं नियमों के प्रति अनुशासन एवं प्रतिबद्धता स्थापित करने हेतु लगातार जनजागरूकता की जा रही है। इसी क्रम मे नवीन सेक्टर 05 में लगातार कार्रवाई करते हुए आम नागरिकों को ट्रेफ्फिक वायलेशन फ्री जोन के संबंध में अवगत की जा रही । आवश्यक कार्यवाही को लेकर सार्वजनिक अनाउंसमेंट करते हुए सभी नागरिकों एवं व्यवसाय गणों को समझाइस दी गई है।

प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत बच्चों की हुई निःशुल्क हृदय जांच, 690 बच्चों की हुई स्क्रीनिंग

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही योजना प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत ज़िले भर में विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है - बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराना। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन तथा श्री सत्य साई हॉस्पिटल के सहयोग से आज तिल्दा टीम बी द्वारा भरत देवांगन प्राथमिक शाला में 254 बच्चों की स्क्रीनिंग, धरसीवां टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र ग्राम दोदेंखुर्द में 100 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम डी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र हनुमान नगर एवं कुदरापारा में 100 बच्चों की स्क्रीनिंग, अर्बन टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र संघर्ष नगर, गांधीनगर एवं मंगरापारा में 126 बच्चों की स्क्रीनिंग, अभनपुर टीम बी द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 1 एवं 2 सलोनी में 110 बच्चों की स्क्रीनिंग व पूरे जिले में आज कुल 997 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई।

शासन की योजनाएं आम लोगों की जिंदगी बना रही है आसान

जशपुरनगर। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर उनके जीवन को सहज और सम्मानजनक बना बना रही है। विशेष रूप से दिव्यांगजनों के लिए संचालित योजनाएं न केवल उन्हें आत्मनिर्भर बनने में सहायता प्रदान कर रही हैं, बल्कि उनके जीवन में नई आशा और आत्मविश्वास का संचार भी कर रही हैं। इसी कड़ी में बगीचा विकासखंड के ग्राम खेड़ार निवासी शनिचर टोप्पो को शासन की योजना के अंतर्गत कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देश पर आज जनपद सीईओ विनोद सिंह द्वारा मोटराइज्ड ट्राई साइकिल प्रदान की गई। नागपुर में एक दुःखद रेल दुर्घटना में उनके दोनों पैर ट्रेन से कट गए थे। इस गंभीर हादसे के बाद उनका जीवन अत्यंत कठिन परिस्थितियों में गुजर रहा था।

किसानों की आवाज संसद तकः सांसद ने उर्वरक आपूर्ति पर दिया जोर

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली/रायपुर। रसायन और उर्वरक संबंधी संसदीय स्थायी समिति (2025-26) की बैठक में वरिष्ठ सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के किसानों से जुड़े अहम मुद्दे उठाए। बैठक में रसायन और उर्वरक मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ उर्वरक विभाग की 'अनुदानों की मांगों (2026-27)' पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक के दौरान अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है, जहाँ खरीफऔर रबी दोनों सीजन में उर्वरकों की मांग अधिक रहती है। उन्होंने केंद्र सरकार से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों—बस्तर और सरगुजा—तक खाद की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने बजट (2026-27) पर चर्चा करते हुए कहा कि उर्वरकों के अंतरराष्ट्रीय दामों में उतार-चढ़ाव का बोझ छत्तीसगढ़ के छोटे और सीमांत किसानों पर नहीं पड़ना चाहिए। साथ ही राज्य में संभावित खाद संकट से निपटने के लिए पर्याप्त बफर स्टॉक बनाए रखने और रैक की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

सांसद अग्रवाल ने कहा, छत्तीसगढ़ समेत देशभर के अन्नदाताओं का कल्याण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमने समिति में स्पष्ट किया है कि किसानों को खाद के लिए किसी भी तरह की बाधा या कालाबाजारी का सामना न करना पड़े। हमारा लक्ष्य प्रदेश के हर खेत तक उचित मूल्य पर उर्वरक पहुँचाना और कृषि उत्पादकता बढ़ाना है। बैठक में आगामी वित्तीय वर्ष के लिए उर्वरक विभाग के लक्ष्यों की समीक्षा भी की गई। अग्रवाल ने सुझाव दिया कि नैनो यूरिया सहित वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ में व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाएँ और वितरण केंद्रों का विस्तार किया जाए।

सुशासन, विकास और सुरक्षा के संकल्प के साथ बढ़ रहे हैं आगेः मुख्यमंत्री

- राज्य के तेज विकास, भ्रष्टाचार पर सख्ती और नक्सलवाद के अंत का संकल्प
- पीएम आवास योजना में सिर्फ10 महीनों में 5 लाख से अधिक आवासों का निर्माण
- सिंचाई सुविधा के लिए दो वर्षों में 10 हजार 700 करोड़ रुपये स्वीकृत
- जी राम जी योजना' में मिलेगा 125 दिन का रोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए कहा कि राज्य सरकार सुशासन, विकास और सुरक्षा के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार पर कड़े प्रहार किए हैं और इसमें लिप्त कई लोग आज जेल के पीछे हैं।

उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत 7 करोड़ पेड़ लगाए गए हैं तथा उद्योग नीति के तहत काटे जाने वाले पेड़ों की भरपाई भी बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण से की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुझे सदन को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारतीय वन संरक्षण देहरादून द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में वन एवं वृक्ष आवरण में 683 वर्ग किमी की वृद्धि दर्ज की गई है। यह उपलब्धि राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एवं गर्व का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ सरकार निर्णायक लड़ाई लड़ रही है और उम्मीद जताई कि 31 मार्च तक छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद का समूल उन्मूलन कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में जहां स्कूलों को जला दिया गया था और हथियारों की फैक्ट्रियां संचालित हो रही थीं, वहीं आज बस्तर में विकास की नई धारा बह रही है। स्कूल संचालित हो रहे हैं, अस्पताल खुल रहे हैं और लोगों का समुचित इलाज हो रहा है। पुनर्वास नीति के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं और बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केरल से बड़ा राज्य होने के बावजूद पूर्व में अपेक्षित विकास नहीं हुआ, लेकिन अब प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। बस्तर पंडुम में इस वर्ष 54 हजार कलाकारों ने पंजीयन कराया है, जो सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। होमस्टे को बढ़ावा दिया जा रहा है जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य में विगत दो वर्षों में वन संरक्षण अधिनियम के तहत स्वीकृत खनन प्रकरणों में खनन कार्य हेतु एक लाख 3 हजार 855 पेड़ों की कटाई की गई है, जबकि इसके एवज में खनन एवं औद्योगिक क्षेत्रों में 30 लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं। हमने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत दो वर्षों में करीब 7 करोड़ पेड़ लगाये हैं।

नया रायपुर स्थित ट्राइबल म्यूजियम चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वहां हजारों पर्यटक पहुंच रहे है और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने भी इसकी प्रशंसा की है। उन्होंने बताया कि प्रदेशवासियों को रामलला के दर्शन कराने के लिए रामलला दर्शन योजना प्रारंभ की गई है, जिसका 42 हजार लोग लाभ उठा चुके हैं। मुख्यमंत्री दर्शन योजना से भी 5 हजार से अधिक लोग लाभान्वित हुए हैं। चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ किया गया है, जिसे पिछली सरकार ने बंद कर दिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 10 महीनों में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 5 लाख से अधिक आवास पूर्ण किए गए हैं, जो देश में सर्वाधिक है। किसानों से 21 क्विंटल तक 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी गई है और अंतर की राशि होली से पहले किसानों को प्रदान कर दी जाएगी। सिंचाई क्षेत्र में जहां पूर्व सरकार ने 5700 करोड़ रुपये स्वीकृत किए थे, वहीं वर्तमान सरकार ने 10700 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 32 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है और इसे सुव्यवस्थित करने के लिए नया अधिनियम लाया जाएगा। नया रायपुर में 'अंतरिक्ष संगवारी' का उद्घाटन भी किया गया है। शासकीय कर्मचारियों को कैशलैस इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि रेलवे सेक्टर में 47 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कार्य प्रगति पर हैं। 'जी राम जी योजना' को मनरेगा से बेहतर बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें 100 के स्थान पर 125 दिनों का रोजगार दिया जाएगा। सरकार की मंशा हाफ बिजली बिल से आगे बढ़कर मुफ्त बिजली बिल की दिशा में जाने की है, जिसके लिए सोलर पैनल स्थापना पर सब्सिडी दी जा रही है। राज्य के 8 नगर निगमों में छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) के माध्यम से गेल और बीपीसीएल द्वारा बायोसीएनजी संयंत्रों की स्थापना की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमने सुशासन एवं अभिसरण के रूप में एक नया विभाग ही बना दिया। इसका काम प्रचलित तरीकों से इतर नई सोच के साथ आगे बढ़ना है जिसमें तकनीक का समावेश हो, गवर्नेंस की सर्वोत्तम पद्धतियां जिसमें शामिल हो। हमने ई-आफिस प्रणाली लागू की है, फाइलें अब कंप्यूटर के जरिए बढ़ती हैं, तय समय सीमा में अधिकारियों को अपने अभिमत लिखने होते हैं और आगे फारवर्ड करना होता है। इससे न केवल पारदर्शिता आई है अपितु समय भी बच रहा है। इस प्रणाली को हम राज्य स्तर से जिला स्तर की ओर भी ले जा रहे हैं।

बस्तर के नवाचार देख उत्साहित हुई बिलासपुर की दीदियाँ

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचलों में आजीविका के नए आयाम गढ़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बिलासपुर जिले के बिल्हा ब्लॉक से आए 50 सदस्यीय दल ने बस्तर जिले का दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आयोजित इस एक्सपोजर विजिट का मुख्य उद्देश्य बस्तर के जगदलपुर, लोहंडीगुड़ा और तोकापाल ब्लॉकों में संचालित सफल कृषि और पशुपालन मॉडल्स का गहन अध्ययन करना था। इस भ्रमण कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत जनपद पंचायत के सभागार में आयोजित एक विस्तृत तकनीकी सत्र से हुई, जहाँ पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर के क्रियान्वयन, किसानों के चयन की वैज्ञानिक प्रक्रिया और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान बिलासपुर से आए प्रतिभागियों, समूह सदस्यों और कार्यालय स्टाफ को उप-समिति के कार्यों के साथ-साथ आजीविका सेवा केंद्रों द्वारा महिला किसानों को दिए जा रहे तकनीकी सहयोग की जानकारी दी गई, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि कैसे एक व्यवस्थित कार्ययोजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बना सकती है।

सैद्धांतिक जानकारी प्राप्त करने के पश्चात दल ने क्षेत्र का भ्रमण कर जमीनी स्तर पर संचालित गतिविधियों का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। सदस्यों ने विशेष रूप से ब्रूडिंग सेंटर और उन्नत मुर्गी पालन की बारीकियों को समझा, जिसमें मुर्गियों के आहार प्रबंधन से लेकर टीकाकरण की महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके साथ ही दल ने क्लस्टर के भीतर मछली पालन और बकरी पालन जैसे आजीविका के पूरक माध्यमों का भी अध्ययन किया। भ्रमण के दौरान बस्तर की दीदियों द्वारा अपनाई गई उन्नत सब्जी उत्पादन तकनीक, नर्सरी प्रबंधन और कीट-रोग नियंत्रण के तरीकों ने बिलासपुर के दल को खासा प्रभावित किया। केवल उत्पादन ही नहीं, बल्कि कटाई के बाद होने वाली ग्रेडिंग, पैकेजिंग और स्थानीय मंडियों के माध्यम से सीधे बाजार से जुड़कर बेहतर मूल्य प्राप्त करने की रणनीति भी साझा की गई।

बस्तर की दीदियों के द्वारा बुक्स ऑफ रिकॉर्ड के सटीक संधारण और उनके आत्मविश्वास ने आगंतुक दल के भीतर एक नया उत्साह भर दिया।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले रायपुर मंडल के कर्मचारी को मंडल रेल प्रबंधक ने किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। 70वाँ रेल सप्ताह समारोह 2025 (मंडल रेल प्रबंधक स्तर रेल सेवा पुरस्कार) समारोह में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करने वाले रायपुर मंडल के कर्मचारी को मंडल रेल प्रबंधक दयानंद द्वारा सम्मानित किया गया। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर द्वारा आज दिनांक 25 फरवरी, 2025 को उल्लास अधिकारी क्लब, शिवनाथ रेल विहार, डब्ल्यू.आर.एस कॉलोनी, रायपुर में 70वाँ रेल सप्ताह समारोह (मंडल रेल प्रबंधक स्तर)-2025 मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक दयानंद के आतिथ्य में आयोजित किया गया।

भारत में पहली बार रेल का शुभारंभ 16 अप्रैल 1853 में मुम्बई से थाणे के मध्य रेल चलाकर की गई थी। इस ऐतिहासिक घटना की याद में रेल मंत्रालय सहित सभी क्षेत्रीय रेलवे, वर्कशॉप, यूनिटों एवं मंडलों में प्रति वर्ष रेल सेवा पुरस्कार मनाया जाता है। 70वाँ रेल सप्ताह समारोह 2025 में रेल कर्मचारियों को उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कृत किया गया। 70वाँ रेल सप्ताह समारोह के अवसर पर सर्वप्रथम मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक दयानंद का स्वागत वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राहुल गर्ग द्वारा किया गया। अतिथियों द्वारा देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण, श्लोक उच्चारण एवं दीप प्रज्वलित कर इस समारोह का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राहुल गर्ग ने स्वागत संबोधन में कठिन परिश्रम, लगन और निष्ठा की बदौलत उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को बधाई दी।

मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक दयानंद ने अपने उदबोधन में कहा कि भारतीय रेल नेटवर्क, टीम वर्क का श्रेष्ठ उदाहरण है। इस वृहत प्रणाली को गतिमान रखने में रेलवे के सभी विभागों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इस पारस्परिक सामंजस्य एवं सहयोग के बिना इस रेल तंत्र को सुचारू रूप से चलाना संभव नहीं है। अपनी स्थापना के बाद से ही रायपुर मंडल लगातार राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफल रहा है।

स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग प्रतिबद्ध - अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में केमिस्ट के पद पर चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने आज नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर स्थित अपने कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में 10 चयनितों को नियुक्ति पत्र सौंपा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव श्री मोहम्मद कैसर अब्दुलहक और प्रमुख अभियंता श्री ओंकेश चंद्रवंशी भी इस दौरान मौजूद थे।

उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव ने नव नियुक्त केमिस्टों को संबोधित करते हुए कहा कि केमिस्टों की संख्या बढ़ने से विभागीय जल परीक्षण प्रयोगशालाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी तथा मैदानी स्तर पर जल की गुणवत्ता की जांच में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता और प्रतिबद्धता है। इन नियुक्तियों से विभाग में तकनीकी रूप से दक्ष मानव संसाधन की संख्या बढ़ी है।

श्री साव ने कहा कि पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया से प्रदेश के युवाओं में विश्वास और उत्साह बढ़ा है। युवाओं को उनकी मेहनत और प्रतिभा का उचित प्रतिफल मिल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त सभी केमिस्ट पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और सेवा-भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा विभागीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि जल गुणवत्ता की निगरानी में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रयोगशालाओं की कार्यप्रणाली को आधुनिक एवं परिणाममुखी बनाया जाएगा।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता ओंकेश चंद्रवंशी ने बताया कि विभाग द्वारा स्वीकृत केमिस्ट के 12 पदों पर व्यापम के माध्यम से चयन प्रक्रिया संपन्न की गई थी। दस्तावेज परीक्षण में 11 अभ्यर्थी पात्र पाए गए, जबकि एक अभ्यर्थी अनुपस्थित रहा। चयनित 11 अभ्यर्थियों में 2 महिला एवं 9 पुरुष अभ्यर्थी शामिल हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना से सच हो रहा पक्के आशियाने का सपना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुदूर वनांचल में जीवन केवल भौगोलिक कठिनाइयों तक सीमित नहीं है, बल्कि असुरक्षा, संसाधनों की कमी और भविष्य की अनिश्चितताओं से भी जूझना पड़ता है। ऐसे ही चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बलरामपुर जिले के ग्राम पंचायत बादा निवासी नक्सल पीड़ित श्री धरमपाल ने लंबे समय तक संघर्षपूर्ण जीवन व्यतीत किया। सीमित आय, जर्जर कच्चा मकान और परिवार की सुरक्षा की चिंता उनके जीवन का स्थायी हिस्सा बन चुकी थी।

श्री धरमपाल ने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय रामसाय गांव के पटेल थे और कृषि कार्य से परिवार का भरण-पोषण करते थे, किंतु माओवादी हिंसा की घटना में उनके पिता की हत्या हो जाने के बाद परिवार पर गहरा आर्थिक एवं मानसिक आघात पड़ा। परिवार में उनकी माता, दो पुत्र एवं पांच पुत्रियों के समक्ष आजीविका और सुरक्षा की गंभीर चुनौती उत्पन्न हो गई। पिता के असामयिक निधन के पश्चात श्री धरमपाल ने मेहनत-मजदूरी कर किसी प्रकार परिवार का पालन-पोषण किया।

परिवार लंबे समय से मिट्टी एवं खपरैल से निर्मित जर्जर कच्चे मकान में निवास कर रहा था, जहां वर्षा और अन्य प्राकृतिक परिस्थितियों में असुविधा एवं असुरक्षा बनी रहती थी। ऐसे समय में शासन की पहल से वर्ष 2024-25 में नक्सल पीड़ित परिवारों को मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें स्थायी आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष प्राथमिकता दी गई। इसी क्रम में श्री धरमपाल का चयन प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत किया गया और उन्हें पक्का आवास स्वीकृत हुआ।

आवास निर्माण पूर्ण होने के उपरांत अब उनका परिवार सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण में जीवन यापन कर रहा है। श्री धरमपाल का कहना है कि जहां पहले भविष्य को लेकर निरंतर चिंता बनी रहती थी, वहीं अब पक्का मकान मिलने से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और वे अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के प्रति आशान्वित हैं।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आवास जैसी मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराकर शासन द्वारा सामाजिक सुरक्षा एवं स्थायित्व सुनिश्चित किया जा रहा है। श्री धरमपाल ने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए शासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण निश्चित ही जरूरतमंद परिवारों के जीवन में स्थायित्व, सुरक्षा और सम्मान का आधार बन रही है।

प्रोजेक्ट दधीचि से जुड़कर पशु चिकित्सा कर्मी ने लिया अंगदान का संकल्प

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट दक्षिचि के तहत मानवता और जनसेवा की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए बैरन बाजार स्थित जिला वेटनरी हॉस्पिटल में पदस्थ कम्पाउण्डर सपना नाग ने अंगदान का संकल्प लेकर समाज के समक्ष अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। जिले में संचालित प्रोजेक्ट दधीचि के अंतर्गत उन्होंने अंग दान के लिए पंजीयन कर जनजागरूकता का संदेश दिया। इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सम्मान पत्र प्रदान कर उनके इस पुनीत कार्य की सराहना की तथा कहा कि अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है, जिससे कई लोगों को नया जीवन मिल सकता है। श्रीमति नाग ने अपने संकल्प के बारे में कहा कि मेरे जाने के बाद यदि मेरे अंगों से किसी को स्वस्थ जीवन मिल सके, तो इससे बड़ी खुशी कोई नहीं हो सकती। उन्होंने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। जिला प्रशासन द्वारा संचालित प्रोजेक्ट दधीचि के तहत अब तक 87 से अधिक लोगों ने अंग एवं संपूर्ण शरीर दान का संकल्प लिया है, जिससे समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे भी इस पुनीत कार्य से जुड़कर अंगदान का संकल्प लें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन, संयुक्त संचालक पशु स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. शंकरलाल उइके तथा लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता प्रभात सक्सेना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

होली खेलने के लिए घर पर इस तरह बनाएं रंग

त्वचा संबंधित समस्याओं से रहेंगे दूर

होली रंगों का त्योहार है और इस साल यह 4 मार्च को मनाई जाएगी। हर इंसान को होली का बेसब्री से इंतेजार होता है, क्योंकि इसमें रंगों से खेलने का मजा भी अलग होता है। हालांकि, बाजारों में मिलने वाले रसायन युक्त रंगों से त्वचा संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। इस कारण इनकी जगह घर पर प्राकृतिक रंग बनाना एक बढ़िया विकल्प है। आइए आज हम आपको होली खेलने के लिए 6 रंग बनाने के कुछ तरीके बताते हैं।

होली के लिए इस तरह बनाए लाल रंग

तरीका 1:- सबसे पहले लाल गुलाब की पंखुड़ियों को अच्छे से धूप में सुखा लें। इसके बाद सभी पंखुड़ियों को मिक्सर में डालकर पाउडर बना लें। इसके लिए आप गुलाब की पंखुड़ियों की जगह लाल गुड़हल की पंखुड़ियां भी चुन सकते हैं।

तरीका 2:- पानी आधारित प्राकृतिक लाल रंग तैयार करने के लिए लाल रंग की गुलाब की पंखुड़ियों या अनार के छिलकों को पानी में लाल होने तक अच्छे से उबालें। इसके बाद पानी को छान लें।

होली के लिए पीला रंग बनाने का तरीका

तरीका 1:- सबसे पहले बेसन और हल्दी को 1-2 के अनुपात में मिलाएं। इस मिश्रण को समान रूप से मिलाने के लिए दोनों हथेलियों से रगड़ें। इसका बारीक पाउडर बनाने के लिए इस मिश्रण को 2-3 बार छान लें।

तरीका 2:-यदि आप पानी आधारित पीला रंग बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए पानी में कुछ गेंदे के फूलों को उबालें या पानी में हल्दी मिलाएं।

इस तरह बनाए नीला रंग

होली खेलने के लिए नीला रंग बनाने के लिए जकरांदा के फूलों (नील गुलमोहर) या नीले मटर के फूल की कुछ पंखुड़ियों को सुखा लें। जब सभी पंखुड़ियां अच्छे से सूख जाएं, तो उन्हें पीसकर पाउडर बना लें। इस पाउडर में आप आटा भी मिला सकते हैं। जकरांदा का फूल गर्मी के मौसम में खिलता है और आसानी से मिल जाता है। इससे तैयार मिश्रण त्वचा को नमी देने का काम करेगा।

इन तरीकों से बनाए हरा रंग

तरीका 1:- हरा रंग बनाने के लिए मेंहदी पाउडर और आटे को बराबर मात्रा में मिलाएं। इस बात का ध्यान रखें कि आप जिस मेंहदी पाउडर का इस्तेमाल कर रहे हैं वह रासायनिक के बजाय प्राकृतिक हो।

तरीका 1:- यदि आप पानी आधारित हरा रंग बनाना चाहते हैं तो इसके लिए पानी में कुछ ताजे पुदीने के पत्ते डालकर अच्छे से उबालें। जब यह पानी ठंडा हो जाए तो होली खेलने के लिए इसका इस्तेमाल करें।

नारंगी रंग बनाने के लिए अपनाएं ये तरीके

तरीका 1:- होली के लिए नारंगी रंग बनाने के लिए टेसू के फूल की कुछ पंखुड़ियां लें और उन्हें सुखा लें। पंखुड़ियों के पूरी तरह से सूख जाने और करारे होने पर उन्हें पीसकर बारीक पाउडर बना लें।

तरीका 2:- टेसू के फूलों की जगह आप संतरे के कुछ छिलके भी सुखा सकते हैं और फिर उन्हें मकई के आटे और हल्दी के साथ पीसकर पाउडर बना लें। पाउडर को चिकना करने के लिए 2-3 बार छान लें।

घर पर इस तरह बनाए गुलाबी रंग

गुलाबी रंग बनाने के लिए 2 चुकंदर को कद्दूकस करके 1 कप पानी में मिला लें। अब इसे छान लें और फिर इसमें 1 बड़ी चम्मच गुलाब जल मिलाएं। इसके बाद छाने हुए पानी में टेलकम पाउडर या 3 कप मकई का आटा डालकर अच्छे से मिलाएं ताकि इसमें कोई गांठ न रह जाए।

जब यह अच्छे से मिल जाए तो इसे धूप में सूखने के लिए रख दें और फिर से अच्छी तरह मिलाकर इस्तेमाल करें।

डांस अक्रॉस द वर्लड दे रहा लोकनृत्य को नया मंच, रूस की परंपराओ से रुबरू कराएंगी शक्ति मोहन

आज के दौर में, जब ग्लोबलाइजेशन के नाम पर लोककलाएं और पारंपरिक नृत्य धीरे-धीरे हाशिए पर जाते दिख रहे हैं, ऐसे समय में कुछ कलाकार ऐसे भी हैं, जो इन्हें दुनिया के सामने नए अंदाज में पेश कर रहे हैं। इसी सोच और जुनून के साथ भारतीय डांस जगत की जानी-मानी कलाकार शक्ति मोहन अपने खास यूट्यूब प्रोजेक्ट डांस अक्रॉस द वर्ल्ड के जरिए एक वैश्विक सांस्कृतिक सफर पर निकली हैं।

उनका यह सफर सिर्फ देशों की सीमाएं पार करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अलग-अलग सभ्यताओं को समझने और उन्हें आज की युवा पीढ़ी से जोड़ने की कोशिश भी है। हाल ही में शक्ति मोहन ने डांस अक्रॉस द वर्ल्ड का नया एपिसोड लॉन्च किया, जिसमें वह रूस की समृद्ध और शक्तिशाली लोकनृत्य परंपराओं को एक्सप्लोर करती नजर आईं। इस खास एपिसोड की लॉन्चिंग में उनके करीबी दोस्त, परिवार और इंडस्ट्री से जुड़े कई लोग मौजूद रहे, जिन्होंने उनके इस विजन की खुलकर तारीफ की।

डांस अक्रॉस द वर्ल्ड को शक्ति मोहन ने ड्रीम प्रोजेक्ट बताया और कहा, मैं इसके जरिए हजारों साल पुरानी लोकनृत्य शैलियों को आज की पीढ़ी तक पहुंचाना चाहती हूं। इस शो का पहला सीजन कई देशों की यात्रा पर आधारित रहा, जहां मैंने अलग-अलग संस्कृतियों के पारंपरिक नृत्यों को न सिर्फ सीखा, बल्कि उन्हें दर्शकों के सामने पेश भी किया।

शक्ति मोहन ने कहा, दुनिया में कई ऐसी नृत्य परंपराएं हैं, जो बेहद सुंदर होने के बावजूद धीरे-धीरे गुमनाम होती जा रही हैं। इन कला रूपों को बचाने के लिए जरूरी है कि उन्हें आज के युवाओं के सामने इस तरह पेश किया जाए, जिससे वे उनसे जुड़ाव महसूस करें। मेरे लिए यह शो दिल के बेहद करीब है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे अपने दो सबसे बड़े प्यार, यानी ट्रैवल और डांस, को एक साथ जीने का मौका मिल रहा है।

रूस के लोकनृत्य को शक्ति मोहन ने अपने करियर के सबसे अलग और चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक बताया। उन्होंने कहा, रूसी डांस अपनी तकनीक, गति और भाव-भंगिमा के मामले में बेहद अनोखा है। एक भारतीय डांसर के तौर पर मुझे यह बेहद खास लगा। मुझे भरतनाट्यम जैसी शास्त्रीय नृत्य शैली पसंद है, जिसमें पैरों की जटिल थाप और सटीक मुद्राओं का अहम रोल होता है, जबकि रूसी डांस की भाषा बिल्कुल अलग है। इसी वजह से इसे कम समय में सीखना और मंच पर उतारना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण रहा।

उन्होंने कहा, रूस में मुझे लोगों का अपनापन सबसे ज्यादा यादगार रहा। वहां की एक रूसी कोरियोग्राफर मेरी मेहनत और समर्पण से इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने मुझे पारंपरिक हेडगियर गिफ्ट किया। यह तोहफा मेरे लिए दो संस्कृतियों के बीच बने सम्मान और जुड़ाव का प्रतीक है। भले ही भारतीय और रूसी डांस की शैलियां अलग हों, लेकिन उनमें खूबसूरत फ्यूजन की संभावनाएं मौजूद हैं।

द केरल स्टोरी 2 पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, लगे 16 कट

द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड अपने ट्रेलर रिलीज के बाद से ही विवादों से घिरा हुआ। फिल्म के खिलाफ रिलीज पर रोक लगाने के लिए याचिकाएं दायर की गई हैं। इसी बीच सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने फिल्म को U/A 16+ सर्टिफिकेशन के साथ पास कर दिया है। हालांकि मेकर्स को फिल्म में 16 कट्स लगाने या बदलाव करने को कहा है।

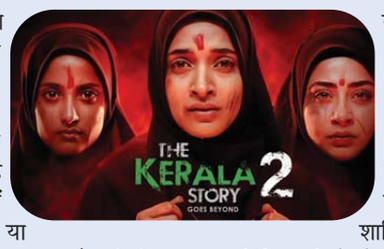

रिपोर्ट के अनुसार, सीबीएफसी ने द केरल स्टोरी 2 गोज बियॉन्ड के मेकर्स को फिल्म में लगभग 16 कट या बदलाव करने के लिए कहा है। किसिंग विजुअल्स और रेप सीन को 50 प्रतिशत कम कर दिया गया।

एक लिप-लॉक सीन को 7 सेकंड कम करने के लिए कहा गया। रेप सीन को 20 सेकंड छोटा कर दिया गया। एक सीन, जिसमें एक महिला को थप्पड़ मारा जा रहा है, और दूसरा सीन जिसमें एक महिला के सिर पर मारा जा रहा है, दोनों को 2 सेकंड कम कर दिया गया।

एक सीन में जहां आरोपी का घर बुलडोजर से गिराया जा रहा है, सीबीएफसी ने उसे बदलने के लिए कहा गया। इसके अलावा उन्होंने तीन डायलॉग बदलने और एक शब्द म्यूट करने के लिए कहा गया।

तमाम कट और बदलावों के अलावा, फिल्म बनाने वालों से एक डिस्क्लेमर जोड़ने के लिए कहा गया है, जिसमें यह लिखा हो कि द केरल स्टोरी 2 सच्ची घटनाओं पर आधारित है। उनसे यह भी कहा गया कि डिस्क्लेमर टेक्स्ट को स्क्रीन पर 2 मिनट और 3 सेकंड ज्यादा देर तक रहने दें, और उसके साथ एक वॉइस-ओवर भी शामिल करें।

सीबीएफसी ने मेकर्स को डायलॉग के साथ पूरी स्क्रिप्ट सबमिट करने को कहा है। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा है कि इन दावों को साबित करने के लिए सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स दें कि कहानी सच्ची घटनाओं से ली गई है।

बोर्ड को एक माइनर की कास्टिंग के बारे में एक कंसेंट लेटर भी दिया गया। माम बदलाव के बाद, 16 फरवरी को फिल्म को सर्टिफिकेट दे दिया गया। फिल्म का रनटाइम 131 मिनट और 24 सेकंड है, यानी यह 2 घंटे, 11 मिनट और 24 सेकंड लंबी है।

रियलिटी शो द 50 से बाहर आने के बाद मोनालिसा का दिखा ग्लैमरस अंदाज

भोजपुरी सिनेमा और हिंदी टीवी सीरियल्स की मशहूर अभिनेत्री मोनालिसा आज के समय में एक जाना-माना चेहरा हैं, जो अपनी खूबसूरती और एक्टिंग के अलावा शानदार डांस मूव्स के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने 125 से अधिक भोजपुरी फिल्मों के साथ-साथ हिंदी, बंगाली, ओडिया, तमिल, कन्नड़ और तेलुगु मूवी में अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा है।

मोनालिसा हाल ही में देश के एक नए और यूनिक रियलिटी शो द 50 से बाहर आई हैं, जिसमें उन्होंने पहली बार अपने पति विक्रांत सिंह राजपूत के साथ एक प्रतियोगी के रूप में भाग लिया था। द 50 शो के पैलेस से बाहर आने के बाद मोनालिसा का ग्लैमरस अंदाज देखने को मिल रहा है। अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम से कुछ बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर कीं, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस ने फोटो पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, डोपामाइन... बेहद जरूरी।

मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिस्वास है, जिनका जन्म 21 नवंबर 1982 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में एक बंगाली हिंदू परिवार में हुआ था। अभिनेत्री ने 17 जनवरी, 2017 को देश के सबसे बड़े टीवी रियलिटी शो बिग बॉस हाउस में विक्रांत सिंह राजपूत के साथ शादी की, जो कि खुद एक प्रसिद्ध भोजपुरी फिल्म अभिनेता हैं।

मोनालिसा ने बिग बॉस 10 और टीवी सीरियल नजर में मोहना राठौड़ के रूप में बड़ी पहचान बनाई। नजर में उनके डायन के किरदार को लोगों ने काफी पसंद किया था। इसी के साथ भोजपुरी फिल्मों ने उन्हें इंडस्ट्री में एक मशहूर हस्ती बना दिया।

अभिनेत्री सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी बोल्ड व स्टाइलिश तस्वीरों के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस भोजपुरी इंडस्ट्री की बड़ी अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिनका नाम सबसे अधिक फीस लेने वाली एक्ट्रेस में शामिल है। वहीं, मोनालिसा की भोजपुरी जर्नी की बात करें, तो उन्होंने इंडस्ट्री के सबसे बड़े कलाकारों के साथ काम किया है, जिनमें पवन सिंह, मनोज तिवारी और निरहुआ जैसे सितारों के नाम शुमार हैं।

विष्णु की फिल्म विष्णु विन्यासम का लेटेस्ट गाना एमी रा बलाराजू जारी, 27 फरवरी को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

एंटरटेनमेंट के किंग श्री विष्णु की आने वाली फिल्म विष्णु विन्यासम अपने लेटेस्ट सिंगल, एमी रा बलाराजू के साथ चर्चा में है। यह गाना, जो फिल्म के साउंडट्रैक का हिस्सा है, एक जोशीला गाना है जो दिल टूटने को जश्न में बदल देता है। म्यूजिक डायरेक्टर राधन ने ग्रूवी बीट्स को रामजोगय्या शास्त्री के अनोखे लिरिक्स के साथ मिलाकर इसे एक कैची ट्रैक बनाया है।

सरथ संतोष का गाया यह गाना एक मज़ेदार नोट पर शुरू होता है, जो विष्णु के प्यार में रॉन्ग गॉन के बारे में जोशीले अंदाज़ के लिए मूड सेट करता है। उनका लुंगी स्टेप आम लोगों के लिए खास तौर पर बनाया गया है और शायद सोशल मीडिया रील्स पर छा जाएगा। आखिर में नयना सारिका का आना गाने के ह्यूमर को और बढ़ा देता है, जिससे यह एक हल्का-फुल्का, मज़ेदार ट्रैक बन जाता है।

एमी रा बलाराजू हर उस लव फेलियर को ज़रूर पसंद आएगा जो दिल टूटने में भी मज़ाक ढूंढता है, और यह इस साल का ब्रेक-अप सॉन्ग बन गया है। इस ट्रैक ने अपनी मज़ेदार धुन और अनोखे लिरिक्स से फिल्म की रफ़्तार को और बढ़ा दिया है।

नए डायरेक्टर यदुनाथ मारुति राव के डायरेक्शन में बनी विष्णु विन्यासम में विष्णु और नयना सारिका लीड रोल में हैं। फिल्म को सुमंत नायडू जी ने श्री सुब्रह्मण्येश्वर सिनेमाज़ के तहत प्रोड्यूस किया है और यह 27 फरवरी को रिलीज़ होने वाली है। फिल्म में एक टैलेंटेड क्रू है, जिसमें सिनेमैटोग्राफर साई श्रीराम और राधन का म्यूज़िक शामिल है।

खास खबर

स्वच्छता महाअभियान का हुआ आगाज

कोरबा। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड एवं बस्तियों की सम्पूर्ण रूप से सफाई किये जाने के मद्देनजर 25 फरवरी से निगम क्षेत्र में स्वच्छता का महाअभियान प्रारंभ किया गया, अभियान के प्रथम दिन वार्ड क्र. 01 रामसागरपारा एवं वार्ड क्र. 04 रातीखार में मेगा स्वच्छता ड्राईव चलाई गई। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय इन वार्डो में पहुंचे तथा गली-गली, बस्ती-बस्ती पैदल भ्रमण कर वृहद पैमाने पर किये जा रहे साफ-सफाई कार्यो का सघन निरीक्षण किया। उन्होने बस्ती की गलियों, नालियों आदि की सम्पूर्ण सफाई किये जाने के निर्देश अधिकारियों को दिये, साथ ही वहाँ के रहवासियों से अपील की कि वे सड़क, नाली आदि में कचरा न डालें, घर से निकले कचरे को स्वच्छता दीदियों के रिक्शें में ही दें। महापौर संजूदेवी राजपूत एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा कोरबा में स्वच्छता का महा अभियान प्रारंभ किया गया।

बाल विवाह उन्मूलन और बेसहारा बच्चों के संरक्षण पर विशेष जोर

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति तथा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 (यथा संशोधित 2021) के तहत गठित विभिन्न समितियों की त्रैमासिक बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों तथा सड़कों पर रहने वाले, बेसहारा एवं श्रम में संलग्न बच्चों के संरक्षण व पुनर्वास को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार राज्य शासन द्वारा वर्ष 2028-29 तक छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना - न बिल की चिंता न कटौती का डर

रायपुर। आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का मुंगेली जिले में प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रत्येक घर की छत पर सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई यह योजना आम नागरिकों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। इससे न केवल बिजली बिल के बोझ से राहत मिल रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित हो रहा है। विकासखंड लोरमी निवासी श्री अशोक जायसवाल इस योजना के तहत अपने आवास की छत पर 02 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कराया है। श्री जायसवाल ने बताया कि पूर्व में उनके घर में विद्युत आपूर्ति अनियमित रहती थी तथा बिजली बिल भी अपेक्षाकृत अधिक आता था।

बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरिः अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने बीजापुर में की समीक्षा, दिए सशक्त दिशा-निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। एक दिवसीय प्रवास पर बीजापुर पहुंचीं छत्तीसगढ़ बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. वर्णिका शर्मा ने सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर जिले में बाल संरक्षण तंत्र के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया।

बैठक के दौरान उन्होंने बालक एवं बालिका गृह में दर्ज बच्चों की अद्यतन जानकारी लेते हुए उनके रहन-सहन, खान-पान, स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सुरक्षा व्यवस्था की विस्तार से समीक्षा की। अध्यक्ष डॉ. शर्मा ने चाइल्ड हेल्पलाइन, काउंसलर, अधीक्षक एवं संबंधित अधिकारियों से संस्था संचालन की स्थिति एवं सामने आ रही कठिनाइयों की जानकारी ली।

उन्होंने निर्देश दिए कि— चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। सार्वजनिक स्थलों पर हेल्पलाइन नंबर का स्पष्ट प्रदर्शन हो।

बच्चों को बिना किसी भय या दबाव के अपनी समस्या बताने के लिए जागरूक किया जाए।शामुक्ति एवं काउंसलिंग पर जोर बैठक में बच्चों को नशामुक्त करने के लिए विशेष अभियान चलाने तथा नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए काउंसलिंग और समुचित उपचार उपलब्ध कराने पर बल दिया गया। अध्यक्ष ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किशोर न्याय अधिनियम तथा पॉक्सो एक्ट का गहन अध्ययन करने की समझाइश देते हुए कहा कि विधिक प्रावधानों की सही जानकारी से ही बच्चों के अधिकारों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। संवेदनशीलता और समन्वय से मजबूत होगा तंत्रडॉ. शर्मा ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा और संरक्षण समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

हर्बल गुलाल से और भी रंगीली होगी होली

विभिन्न रंगों और आकर्षक पैकेजिंग के साथ समूह द्वारा निर्मित हर्बल गुलाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़ी कबीरधाम ज़िले की महिला स्व-सहायता समूह महिला सशक्तीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही है। जनपद पंचायत बोडला के ग्राम राजा नवागांव की जय गंगा मैया स्व-सहायता समूह से जुड़ी दीदियों ने रंगोत्सव त्योहार होली के लिए हर्बल गुलाल का निर्माण किया है। महिला समूह ने हर्बल गुलाल के व्यवसाय से जुड़कर आजीविका के नए रास्ते खोले है। इस गतिविधि में 10 महिलाओं की प्रत्यक्ष भागीदारी है, जो उनके आय का अच्छा स्रोत है। लाल, गुलाबी, पीले सहित अन्य रंगों और प्रकृति खुशबू से भरपूर हर्बल गुलाल बाजार में आने के लिए उपलब्ध है।

कलेक्टर कबीरधाम गोपाल वर्मा ने बताया कि प्रत्येक वर्ष होली के अवसर पर जिले की विभिन्न महिला समूह द्वारा हर्बल गुलाल का निर्माण किया जाता है। कलेक्टोरेट, सभी जनपद पंचायत कार्यालय एवं अन्य स्थानों पर उनके द्वारा स्टॉल लगाकर हर्बल गुलाल की बिक्री की जाती है। समूह की दीदियों द्वारा बनाए गए गुलाल पूरी तरह से प्राकृतिक होने के साथ-साथ बाजार में मिलने वाले अन्य रंगों की तुलना में सस्ता होता है।

हर्बल गुलाल की पैकेजिंग बहुत आकर्षक है और यह उपहार देने के भी बहुत अच्छा है। हर्बल गुलाल अनेक रंगो के साथ अलग-अलग मात्रा में पैकेजिंग सहित उपलब्ध है। गतवर्ष भी हमने देखा है कि समूह की दीदियों द्वारा बनाए गए हर्बल गुलाब को क्षेत्रवासियों ने बहुत पसंद किया है और इस व्यवसाय से जुड़कर हमारी ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही है।

जिला पंचायत सीईओ ने बताया कि प्रत्येक वर्ष बहुत से समूह इसका निर्माण करते है। प्रत्येक समूह को इस व्यवसाय द्वारा 50 से 60 हजार रुपए का लाभ हो जाता है। हर्बल गुलाल की अच्छी गुणवत्ता और आकर्षक पैकिंग सभी को पसंद आती है।

योजना से जुड़े मैदानी कर्मचारियों द्वारा समूह को मौसमी व्यवसाय करने के लिए प्रेरित करते हुए हर्बल गुलाल का निर्माण करने प्रोत्साहित किया जाता है। इसके निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल की उपलब्धता के लिए समूह को सहायता प्रदान की जाती है।

हर्बल गुलाल के कई फायदे

हर्बल गुलाल प्राकृतिक सामग्री जैसे फूल-पत्तियों आदि से बनाए जाते हैं और त्वचा के लिए यह पूरी तरह से सुरक्षित होते हैं। इसके साथ हर्बल गुलाल के और भी कई फायदे हैं। हर्बल गुलाल में प्राकृतिक रंग होता हैं और इसके निर्माण में कोई अतिरिक्त मिलावट नही की जाती। हर्बल गुलाल पर्यावरण अनुकूल होता हैं। अन्य रंगों की तरह इसे छुड़ाने में मेहनत नहीं लगती बल्कि पानी द्वारा आसानी से धो कर साफ किया जा सकता है। इससे पानी की बचत भी होती है। हर्बल गुलाल में हानिकारक रसायन नहीं होते और यह त्वाचा के लिए पूरी तरह सुरक्षित है। हर्बल गुलाल का निर्माण प्राकृतिक सामग्रियों से होने के कारण शरीर पर एलर्जी नहीं होती। हर्बल गुलाल में प्राकृतिक सुगंध होता है। खुशबू के लिए कोई केमिकल का उपयोग नहीं होने के कारण यह पूरा तरह सुरक्षित है।

पीएम विकसित भारत रोजगार योजना मार्च अंत तक आएगी पहली किस्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के लाभार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना सामने आई है। भारत सरकार ने इस योजना के अंतर्गत सहायता राशि की प्रथम किस्त मार्च महीने के अंत तक जारी करने की तैयारी में है। हालांकि, इस लाभ को प्राप्त करने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन और संबंधित विभागों ने सदस्यों एवं प्रतिष्ठानों के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं, जिनका पालन न करने पर लाभार्थी राशि से वंचित रह सकते हैं।

योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक नए जुड़ने वाले और प्रथम बार सदस्य बनने वाले व्यक्तियों के लिए सार्वभौमिक खाता संख्या का चेहरा प्रमाणीकरण तकनीक के माध्यम से सत्यापन कराना अब अनिवार्य कर दिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना इस डिजिटल सत्यापन के योजना का लाभ प्रदान नहीं किया जाएगा। यदि किसी सदस्य को इस तकनीकी प्रक्रिया में कोई कठिनाई आती है, तो उन्हें तुरंत अपने संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होकर सहायता प्राप्त करने की सलाह दी गई है। योजना की राशि का प्रेषण सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए सदस्यों का बैंक खाता इस सुविधा हेतु सक्षम होना अनिवार्य है। जिन कर्मचारियों के खाते वर्तमान में इस प्रणाली से नहीं जुड़े हैं, उन्हें तत्काल अपनी बैंक शाखा में जाकर यह सुविधा सक्रिय कराने के निर्देश दिए गए हैं ताकि भुगतान प्रक्रिया में कोई बाधा न आए। व्यक्तियों के साथ-साथ नियोक्ताओं और संस्थानों पर भी नियमों के पालन की जिम्मेदारी डाली गई है। आधिकारिक सूचना के अनुसार, जो प्रतिष्ठान नियमित रूप से इलेक्ट्रॉनिक चालान-सह-विवरणिका प्रस्तुत नहीं कर रहे हैं या अंशदान जमा करने में विलंब कर रहे हैं, उनके कर्मचारियों को योजना के लाभ से रोका जा सकता है। प्रशासन ने सभी संस्थानों से समय पर विवरणिका भरने और अंशदान सुनिश्चित करने का आग्रह किया है ताकि सुचारू रूप से किस्त जारी की जा सके।

लाभार्थियों के लिए आधार फेस ऑथेंटिकेशन और डीबीटी अनिवार्य

उज्जवला योजना 3.0 से कबीरधाम में 1339 परिवारों को मिली धुआँ-मुक्त रसोई

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। स्वच्छ रसोई केवल सुविधा नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन और सम्मानजनक जीवनशैली की पहचान है। पारंपरिक चूल्हों के धुएँ से जूझ रही महिलाओं को राहत देने के लिए संचालित उज्ज्वला योजना 3.0 आज गरीब और ग्रामीण परिवारों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। इस योजना के माध्यम से महिलाओं को धुएँ से मुक्ति, बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षित रसोई का लाभ मिल रहा है।

कबीरधाम जिला में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 3.0 के तहत 1339 नए गैस कनेक्शन पात्र हितग्राहियों को प्रदान किए गए हैं। इन कनेक्शनों से उन परिवारों को सबसे अधिक राहत मिली है, जो अब तक लकड़ी, उपले या कोयले से खाना बनाने को मजबूर थे। गैस कनेक्शन मिलने से महिलाओं को धुएँ से मुक्ति मिली है और रसोई का काम भी पहले से आसान व सुरक्षित हो गया है। यह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गरीब परिवारों की महिलाओं को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है। योजना के माध्यम से न केवल स्वास्थ्य की रक्षा हो रही है, बल्कि महिलाओं का समय भी बच रहा है, जिसे वे अब बच्चों की पढ़ाई, स्वरोजगार या अन्य उपयोगी कार्यों में लगा पा रही हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में उज्ज्वला योजना ने सामाजिक बदलाव भी लाया है। पहले जहां महिलाओं को ईंधन के लिए जंगलों में घंटों भटकना पड़ता था, वहीं अब घर बैठे सुरक्षित और स्वच्छ ईंधन उपलब्ध है। इससे महिलाओं की सुरक्षा भी बढ़ी है और जीवन स्तर में सुधार आया है। उज्ज्वला योजना 3.0 के तहत दिए गए ये नए कनेक्शन केवल गैस सिलेंडर नहीं, बल्कि बेहतर स्वास्थ्य, सम्मान और सुविधाजनक जीवन की ओर बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम हैं। यह योजना वास्तव में महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

अटल वयो अभ्युदय योजनाः बेहतर दृष्टि के साथ नई उम्मीद की शुरुआत

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित अटल वयो अभ्युदय योजना के अंतर्गत जिले के 12 वरिष्ठ नागरिकों का मोतियाबिंद (कैटरैक्ट) का सफल ऑपरेशन कराया गया। सभी हितग्राहियों का निःशुल्क शल्यचिकित्सा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आधुनिक तकनीक से संपन्न हुई। ऑपरेशन के पश्चात सभी हितग्राहियों की स्वास्थ्य स्थिति सामान्य एवं संतोषजनक है तथा उनकी दृष्टि में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है।

समाज कल्याण विभाग द्वारा पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण, आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया, परिवहन एवं समन्वय की समुचित व्यवस्था कर चयनित वृद्धजनों को एम्स रायपुर भेजा गया। शल्यक्रिया के बाद चिकित्सकीय परामर्श, दवा वितरण एवं नियमित फॉलोअप की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि लाभार्थियों को निरंतर स्वास्थ्य लाभ मिलता रहे।

कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले के सभी विकासखंडों में विशेष सर्वे अभियान चलाकर जरूरतमंद वरिष्ठ नागरिकों की पहचान सुनिश्चित की जाए। पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध रूप से योजना का लाभ दिलाने के साथ-साथ ऑपरेशन उपरांत देखभाल की भी सतत निगरानी की जाए।

उन्होंने कहा कि अटल वयो अभ्युदय योजना वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण पहल है। प्रशासन का प्रयास है कि जिले का कोई भी जरूरतमंद वृद्धजन उपचार से वंचित न रहे। इस पहल से लाभान्वित हितग्राहियों ने शासन एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि अब उन्हें स्पष्ट दृष्टि के साथ दैनिक कार्यों में आत्मनिर्भरता महसूस हो रही है। बेहतर दृष्टि मिलने से उनके जीवन में नई आशा और आत्मविश्वास का संचार हुआ है।

ऑपरेशन से लाभान्वित हितग्राहियों में दुजराम साहू (ग्राम बोडरा), केशव यादव (ग्राम डोमा), राम कुमार कुर्रे (ग्राम करेटा), कार्तिक राम देवांगन (ग्राम भटगांव), ईश्वर चंद क्रिस्टी (ग्राम जोधापुर, धमतरी), बिसाखा साहू (ग्राम तरसींवा), नरेश कुमार ध्रुव (ग्राम नगरी, वार्ड 06),नंद कुमार (ग्राम पंडरीपानी, छिपलीपारा नगरी), महेन्द्र कुमार सोनी (ग्राम डीहीपारा, नगरी), पुखराज देवांगन (ग्राम नगरी), श्रीमती दुलारी बाई (ग्राम सांकरा, मगरलोड) एवं झुमक लाल (ग्राम बकोरी, मगरलोड) शामिल हैं।

बस्तर से वैश्विक मंच तक छत्तीसगढ़ पर्यटन की नई उड़ान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल में इन दिनों पर्यटन विकास की एक नई और सकारात्मक इबारत लिखी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ और हिवा कोचिंग एंड कंसल्टिंग की संस्थापक किर्सी ह्यवैरिनेन के छह दिवसीय प्रवास ने राज्य के पर्यटन क्षेत्र को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण गति प्रदान की है। उनका यह दौरा केवल औपचारिक भ्रमण नहीं, बल्कि स्थानीय समुदाय आधारित सतत पर्यटन मॉडल को वैश्विक मानकों से जोड़ने की ठोस रणनीतिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

दौरे के दूसरे दिन किर्सी बस्तर जिले के ग्राम धुड़मारास पहुंचीं, जहां धुरवा डेरा होमस्टे में उनका पारंपरिक ढंग से स्वागत किया गया। सिहाड़ी और महुए की माला पहनाकर तथा धुरवा नृत्य और स्वागत गीतों के माध्यम से ग्रामीणों ने अपनी संस्कृति की जीवंत झलक प्रस्तुत की।

आत्मीय स्वागत से अभिभूत सुश्री किर्सी ने कहा कि इस प्रकार का अनुभव उनके लिए अत्यंत विशेष और अविस्मरणीय है। यह स्वागत केवल सांस्कृतिक प्रदर्शन नहीं, बल्कि बस्तर की सामाजिक एकजुटता और आत्मीयता का सशक्त परिचय था।

प्रवास के दौरान उन्होंने बस्तर के पारंपरिक एवं जैविक व्यंजनों का स्वाद भी लिया। कलम भाजी, सेमी और बोदई की सब्जी, केले की सब्जी, उड़द दाल, इमली की चटनी, कोसरा भात तथा मंडिया पेज जैसे स्थानीय व्यंजनों से सजी थाली ने उन्हें यहां की जीवनशैली और खाद्य परंपरा से परिचित कराया। वैश्विक पर्यटन परिदृश्य में स्थानीय खान-पान एक प्रमुख आकर्षण बन चुका है और बस्तर की जैव विविधता आधारित खाद्य संस्कृति विदेशी पर्यटकों के लिए विशिष्ट पहचान बना सकती है।

यह प्रवास विशेष रूप से यूनाइटेड नेशन से जुड़े 'बेस्ट टूरिज्म विलेज अपग्रेड प्रोग्राम' के मानकों के अनुरूप धुड़मारास और आसपास के क्षेत्रों को विकसित करने पर केंद्रित है। सुश्री किर्सी धुरवा डेरा होमस्टे में रहकर स्थानीय समुदाय, स्वयं सहायता समूहों, युवाओं और पर्यटन हितधारकों से संवाद कर सेवा गुणवत्ता, स्वच्छता प्रबंधन, डिजिटल प्रचार, ब्रांडिंग और होमस्टे संचालन के अंतरराष्ट्रीय मानकों पर मार्गदर्शन दे रही हैं।

यह भ्रमण जिला प्रशासन तथा छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के समन्वय से आयोजित किया गया है। प्रवास के दौरान उन्होंने विश्वप्रसिद्ध चित्रकोट जलप्रपात में नौका विहार कर वहां की पर्यटन संभावनाओं का अवलोकन किया और मेंदरी घूमर क्षेत्र में स्थानीय हितग्राहियों के साथ पर्यटन गतिविधियों को विस्तार देने पर चर्चा की। चित्रकोट जलप्रपात पहले से ही राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखता है, किंतु अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ की उपस्थिति इसे वैश्विक प्रचार अभियानों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकती है।

सुश्री किर्सी ह्यवैरिनेन के छह दिवसीय प्रवास का प्रभाव बहुआयामी होगा। एक ओर यह बस्तर को अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो सकता है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय युवाओं और महिलाओं के लिए स्वरोजगार के स्थायी अवसर भी सृजित करेगा। सामुदायिक पर्यटन को संस्थागत आधार मिलने से आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और सतत विकास की अवधारणा को बल मिलेगा।

कभी नक्सल प्रभाव की पहचान से जुड़े रहे बस्तर की छवि अब प्रकृति, संस्कृति और सामुदायिक समृद्धि के मॉडल के रूप में उभर रही है। यदि धुड़मारास 'यूएन बेस्ट टूरिज्म विलेज' मानकों पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ता है, तो यह मॉडल देश के अन्य ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणा बन सकता है। सुश्री किर्सी ह्यवैरिनेन का यह प्रवास छत्तीसगढ़ के पर्यटन इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में दर्ज होने की संभावना रखता है, जो राज्य की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच तक पहुंचाने की दिशा में निर्णायक कदम साबित होगा।

धमतरी को मिली औद्योगिक विकास की नई सौगात

115 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं को स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में उद्योग संवर्धन, रोजगार सृजन और निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हाल ही में प्रस्तुत बजट में धमतरी जिले के लिए दो बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है, जिससे जिले के आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

बजट में कचना क्षेत्र में 98.65 करोड़ रुपये की लागत से प्लग एंड प्ले मॉडल पर आधारित फ्लेटेड फैक्ट्री परियोजना को मंजूरी दी गई है। यह परियोजना 17 एकड़ भूमि पर विकसित की जाएगी, जिसमें 3600 वर्गमीटर की चार मंजिला फ्लेटेड फैक्ट्री निर्मित की जाएगी। इस सुविधा से ऐसे उद्यमियों को लाभ मिलेगा जिनके पास उद्योग स्थापित करने के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना उपलब्ध नहीं है। वे आसानी से मशीनें स्थापित कर उद्योग प्रारंभ कर सकेंगे। इस परियोजना से लगभग 200 से 300 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है। इसके साथ ही छाती क्षेत्र में 17.30 करोड़ रुपये की लागत से 40 एकड़ में नए औद्योगिक क्षेत्र के निर्माण को भी स्वीकृति दी गई है।

इस औद्योगिक क्षेत्र में सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, ओवरहेड टैंक, पाइपलाइन, प्रशासकीय भवन तथा कमर्शियल कॉम्प्लेक्स जैसी मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

यहां लगभग 40 औद्योगिक भूखंड विकसित किए जाएंगे, जिससे करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित होने और लगभग 400 लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

सूने मकान में चोरी, महिला सहित दो आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर। जांजगीर बलौदा पुलिस ने सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी करने वाले एक महिला सहित दो आरोपियों को मात्र 24 घंटे में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। आरोपी दिव्यांशु सूर्यवंशी उर्फ भईया व सुशीला बाई सूर्यवंशी, दोनों ग्राम जावलपुर, थाना बलौदा निवासी हैं। बलौदा निवासी संजय मिरी 16 फरवरी को पारिवारिक कार्यक्रम में गए। 23 फरवरी को लौटे तो घर के कमरे का ताला टूटा मिला। चोर सोने का हार, 20,000 रुपये नकदी व आधार कार्ड ले भागे। रिपोर्ट पर मामला दर्ज। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले, मुखबिर से संदेहियों की पहचान की। वैज्ञानिक पूछताछ में दोनों ने जुर्म कबूल लिया।

ग्राम पंचायत तेलसरा में अवैध शराब बिक्री का आरोप

कोरबा। जिले के बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत तेलसरा में अवैध शराब के कारोबार को लेकर ग्रामीणों में गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है। लगातार बढ़ रही गतिविधियों से परेशान ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से जिलाधीश को ज्ञापन सौंपकर त्वरित और सख्त कार्यवाही की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम के विभिन्न हिस्सों में खुलेआम अवैध शराब की बिक्री हो रही है, जिससे सामाजिक माहौल बिगड़ रहा है। महिलाओं ने विशेष रूप से चिंता जताते हुए कहा कि शराबखोरी के कारण घरेलू हिंसा और आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। कई परिवारों की आय का बड़ा हिस्सा नशे में खर्च हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में भी मौखिक शिकायतें की गई थीं, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अवैध कारोबार और बढ़ गया। ग्रामीणों ने जिलाधीश से गांव में नियमित गश्त, संदिग्ध ठिकानों पर छापामार कार्यवाही और दोषियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे व्यापक जनआंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

पुतला दहन के दौरान युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष झुलसे

सारंगढ़-बिलाईगढ़। सारंगढ़ के भारत माता चौक में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान पुतला दहन कार्यक्रम अचानक हादसे में बदल गया। आग की लपटें तेज होने से युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष शुभम भाजपाई इसकी चपेट में आ गए और झुलस गए। जानकारी के अनुसार, विरोध स्वरूप पुतला दहन किया जा रहा था। इसी दौरान पुतले में लगाई गई आग ने अचानक विकराल रूप ले लिया। पास में खड़े शुभम भाजपाई के कपड़ों में आग लग गई। घायल अवस्था में उन्हें तत्काल नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

रायगढ़ में 6 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म

आईसक्रिम खिलाने के बहाने कमरे में ले गया, कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पाव भाजी की दुकान में काम करने वाले युवक ने 6 साल की मासूम बच्ची के साथ रेप किया। वारदात के बाद पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। विशेष पॉक्सो अदालत ने आरोपी को आजीवन सश्रम कारावास, शेष प्राकृतिक जीवन तक कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 5 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

दरअसल, पीड़िता की मां ने महिला थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वह मजदूरी का काम करती हैं और उनकी दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी की उम्र 10 साल और छोटी बेटी की उम्र 6 साल है। पति के मौत के बाद वह दूसरों के घरों में झाड़ू-पोंछा कर बच्चों का पालन-पोषण कर रही हैं। उनके जेठ का एक पान ठेला है, जहां छोटी बेटी का आना-जाना रहता है।

पान ठेला बंद होने के बाद वह अपने बड़े पिता के साथ घर लौट आती थी। 18 मार्च 2025 की रात लगभग साढ़े 10 बजे छोटी बेटी रोते हुए घर पहुंची। पूछताछ करने पर वह डरते हुए बताने

लगी कि पान ठेले के पास स्थित पाव भाजी दुकान में काम करने वाला 23 वर्षीय सूरज निषाद उसे आइसक्रीम खिलाने का लालच देकर गोद में उठाकर दुकान के ऊपर बने कमरे में ले गया।

बच्ची के साथ गंदी हरकत करने लगा

बच्ची के चिल्लाने पर आरोपी ने मुंह दबा दिया और जबरदस्ती गंदी हरकत करने लगा। कुछ देर बाद वह उसे कमरे से बाहर निकालकर फरार हो गया।

पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना में आरोपी के खिलाफ धारा 65(2) भारतीय न्याय संहिता तथा धारा 4 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (POCSO) के तहत अपराध दर्ज किया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

कोर्ट का फैसला

मामले की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायालय एफटीएससी (POCSO) में हुई। न्यायाधीश देवेन्द्र साहू ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी को दोषी करार दिया। न्यायालय ने आरोपी को शेष प्राकृतिक जीवन तक आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 5,000 रुपए के जुर्माने से भी दंडित किया है।

मातृ-शिशु अस्पताल में महिला मरीज के परिजन से वसूली, 2 नर्स सस्पेंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर के जिला अस्पताल परिसर स्थित मातृ-शिशु अस्पताल में डिलीवरी कराने आई महिला के परिजनों से इलाज के नाम पर पैसे मांगे गए। स्टाफ नर्स की कथित वसूली का वीडियो सामने आया है, जिसमें नर्स लक्ष्मी वर्मा और संजू चौरसिया परिजन पैसों की डिमांड करते नजर आ रही हैं।

डिलीवरी के बाद महिला के परिजन नर्स को धन्यवाद देते नजर आते हैं। इस पर नर्स कथित तौर पर कहती हैं कि धन्यवाद से काम नहीं चलेगा, एक मैं लूंगी और पांच इनको दे दो। वीडियो सामने आने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने दोनों नर्स को सस्पेंड कर दिया है।

बताया जा रहा है कि यह वीडियो मातृ-शिशु अस्पताल के प्रसूति वार्ड का है। वीडियो में

डिलीवरी के बाद महिला के परिजन नर्स को धन्यवाद देते हैं। इस पर नर्स कथित तौर पर कहती है, धन्यवाद से काम नहीं चलेगा, एक मैं लूंगी और पांच इनको दे दो। परिजन 500 रुपए देने की बात कहते हैं, लेकिन नर्स 1000 रुपए से कम लेने से इनकार करती सुनाई देती है।

एडमिशन फॉर्म के नाम पर भी पैसे मांगने का आरोप

मामले में यह भी सामने आया है कि उसी पीड़ित परिवार से एडमिशन फॉर्म भरवाने के नाम पर 100 रुपए मांगे गए। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक अन्य वीडियो में भी इस तरह की मांग का आरोप लगाया गया था। स्वास्थ्य विभाग की प्रारंभिक कारवाई में इसका उल्लेख किया गया है।

सूचना पट पर चेतावनी के बावजूद वसूली

जिस प्रसूति कक्ष से यह वीडियो जुड़ा बताया जा रहा है, उसके बाहर स्पष्ट सूचना पट लगा है। बोर्ड पर लिखा है कि यदि कोई कर्मचारी पैसे मांगे तो आरएमओ या सिविल सर्जन से शिकायत करें। अनाधिकृत रूप से पैसा लेना-देना दंडनीय अपराध है और भुगतान करने पर रसीद अवश्य लें।

दो नर्स निलंबित, जांच समिति गठित

मामले की जानकारी मिलने पर सिविल सर्जन डॉ. अनिल गुप्ता ने संबंधित दोनों नर्सों को लेबर ओटी से हटा दिया। बाद में कलेक्टर की फटकार के बाद स्टाफ नर्स लक्ष्मी वर्मा और संजू चौरसिया को निलंबित कर दिया गया। जांच के लिए तीन सदस्यीय टीम गठित की गई है, जिसमें डॉ. प्रतीक प्रधान, डॉ. ममता सलूजा और डॉ. नवीन साव शामिल हैं। टीम पूरे मामले की जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग मामले की जांच कर रहा है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कारवाई की जाएगी।

रेत के अवैध परिवहन करने वाले सहित 12 ट्रैक्टर जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जिले में रेत के अवैध परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए संयुक्त अभियान चलाया। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे के निर्देश पर सरिया क्षेत्र में राजस्व और पुलिस विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए रेत से भरे 12 ट्रैक्टरों को जब्त किया।

जब्त वाहनों को सुरक्षार्थ सरिया थाना में रखा गया है। यह कार्रवाई सरिया तहसीलदार कोमल साहू और थाना सरिया की टीम द्वारा संयुक्त रूप से की गई। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार,

राज्य स्तर पर रेत के अवैध परिवहन को लेकर हुई समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की थी। बैठक के बाद कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने जिले के सभी तहसीलों में राजस्व और पुलिस अधिकारियों की टास्क फोर्स गठित कर अवैध उत्खनन और परिवहन पर सघन निगरानी के निर्देश दिए थे।

इसी क्रम में मंगलवार और बुधवार को सरिया क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। संयुक्त टीम ने क्षेत्र में गश्त और जांच के दौरान रेत से भरे कई ट्रैक्टरों को रोका। दस्तावेजों और परिवहन अनुमति की जांच में अनियमितताएं मिलने पर कुल 12 ट्रैक्टरों पर कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में इन वाहनों के पास वैध रॉयल्टी पर्ची और परिवहन अनुमति नहीं पाई गई, जिसके चलते नियमों के तहत जब्ती की गई। यह पूरी कार्रवाई छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 और खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत की गई।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त किसी भी वाहन या व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जिला बदर में आदतन बदमाश पुलिस के गिरफ्त में

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। मुलमुला थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला बदर आदेश का उल्लंघन करने वाले आदतन बदमाश गोरी उर्फ रोहित कुमार बर्मन (40 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। आरोपी ग्राम कोसा का निवासी है और उसके खिलाफ पहले से 14 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

जानकारी के अनुसार, जिला दंडाधिकारी जांजगीर-चांपा ने 11 नवंबर 2025 को आरोपी को एक वर्ष के लिए जांजगीर-चांपा सहित शक्ति, रायगढ़, सारंगढ़, बिलासपुर और बलौदा बाजार जिलों की सीमाओं से बाहर रहने का आदेश दिया था। इसके बावजूद वह बिना अनुमति अपने गांव में छिपकर रह रहा था और ग्रामीणों को डराने-धमकाने की सूचना मिल रही थी।

विश्वसनीय सूचना के आधार पर मुलमुला पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके ठिकाने के आसपास से पकड़ लिया। शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका को देखते हुए पहले उसे कार्यपालिक दंडाधिकारी पामगढ़ के समक्ष पेश किया गया। इसके बाद जिला दंडाधिकारी के निर्देश पर आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1950 की धारा 14 के तहत थाना मुलमुला में 23 फरवरी 2026 को अपराध क्रमांक 71/2026 दर्ज किया गया। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक पारस पटेल और एएसआई प्रमोद महार की अहम भूमिका रही।

नशीले इंजेक्शन बेचने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जूटमिल क्षेत्र में किशोर बालकों को नशीले इंजेक्शन उपलब्ध कराने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

मुखबिर की सूचना पर जूटमिल पुलिस की टीम कयाघाट बाबाकुटी के पास पहुंची। पुलिस को देखकर 3-4 नाबालिग भाग गए। घेराबंदी कर पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम रवि गुप्ता पिता जानप्रकाश गुप्ता (42) निवासी जूटमिल गेट के सामने बताया। तलाशी में उसके पास अखबार में लिपटे 10

नशीले इंजेक्शन मिले। पूछताछ में उसने इंजेक्शन प्रति एम्पुल 200 रुपए में बेचने की बात स्वीकार की। दूसरी कार्रवाई कायाघाट चौपाटी तिराहा के पास की गई। यहां सुरेश वर्मा पिता मातु वर्मा (27) निवासी कायाघाट मुक्तिधाम सामने गली को उसके घर के बाहर से पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से 12 नशीले इंजेक्शन मिले।

पूछताछ में उसने इंजेक्शन ओडिशा के झारसुगुड़ा से खरीदकर लाने और किशोरों को 150 रुपए प्रति इंजेक्शन बेचने की बात स्वीकार की। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 77 जेजे एक्ट और धारा 123, 275, 286 भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर उन्हें रिमांड पर भेज दिया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भिलाई

क्रमांक / चार / रा.वि./2026/31/453 **भिलाई, दिनांक 23/02/2026**

-:: नामान्तरण प्रकाशन हेतु ::-

इस ईश्तहार द्वारा हित रखने वाले समस्त हितग्राहियों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित हस्तान्तरिती के नाम से हस्तांतरण करने मे यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से 15 दिवस के भीतर लिखित आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्रस्तुत आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

क	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	हस्तांतरण का स्वरूप	संपत्ति की स्थिति
1.	स्व. भारत भूषण अग्रवाल आ. राधेश्याम अग्रवाल	1, ज्योति अग्रवाल पति स्व. भारत भूषण अग्रवाल 2, कंचन अग्रवाल एवं प्रगति अग्रवाल आ. स्व. भारत भूषण अग्रवाल	वारिसान	रेडिमेड मार्केट केम्प 02 व्यवसायिक व्यवस्थापन भूखण्ड क्र.– 19 आकार 80 व0फु0
2.	श्री नितिन जैन आ. स्व. विनोद जैन	श्री अभिषेक पाण्डेय आ. कमलाकर पाण्डेय	बिकीनामा	चन्द्रा मौर्या सिनेमा के सामने व्यव. परिसर दुकान नं.–09 आकार 12.90 व0मी0
3.	मो. रफी आ. जमाल अली की ओर से आ.मु. सलीम खान आ. हफीज खान	मोहम्मद सलीम आ. कमाल अली	बिकीनामा	दुर्गा पारा जोन 01 खुर्सीपार आवासीय व्यवस्थापन आकार – 56.55 व0मी0
4.	स्व. उमाशंकर भारद्वाज आ. एन.के. भारद्वाज	1, सुमन भारद्वाज पति स्व. उमाशंकर भारद्वाज 2, रूपक भारद्वाज 3, रूपान्क भारद्वाज दोनो के आ.स्व. उमाशंकर भारद्वाज	वारिसान	मो.ने.नगर पूर्व आव. योजना ब्लाक/भूखण्ड क्र.– 95/02 आकार – 135 व0मी0
5.	स्व. सरला द्विवेदी पति स्व. आर.ए. द्विवेदी	1, कल्पना द्विवेदी 2, अनिमेश द्विवेदी 3, अवनीश द्विवेदी पति/पिता स्व. अश्वनी द्विवेदी 4, मीरा तिवारी 5, नीरा तिवारी 6, तारा द्विवेदी स.क्र. 04 से 06 आ. स्व.आर.ए. द्विवेदी	वारिसान	मो.ने.नगर पूर्व आ.यो. ब्लाक /भूखण्ड क्र.– 56/09 आकार – 216 व0मी0
6.	स्व. कन्हैय्या लाल तिवारी आ. खेदुराम	श्री खुश तिवारी आ. स्व. प्रमोद तिवारी	वासियतनामा	सुपेला मार्केट भिलाई ब्लाक /भूखण्ड क्र.– 24/09 आकार – 240 व0मी0
7	1, एम.ए. वाहिद आ. एम. एम. तवाब 2, अब्दुल जैद आ. एम.एम. तवाब 3, निशांत परवीन, आयशा फरहा, नाबालिक आयशा उजमा आ. स्व. अबुफजल खालिद	आदित्य चौरसिया एवं कृष्णा चौरसिया आ. आनंद कुमार चौरसिया	बिकीनामा	दक्षिण गंगोत्री व्यवसायिक योजना ब्लाक /भूखण्ड क्र. – ए/07 आकार 29.25 व0मी0

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, भिलाई

खैर-तेंदू की अवैध कटाई, तखत - बनाकर बेच रहे थे आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ जिले में खैर, तेंदू सहित मिश्रित प्रजाति की लकड़ियों की अवैध कटाई कर उनसे तखत, दरवाजे और चौखट बनाकर बेचने का मामला सामने आया है। वन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने देर रात की गई कार्रवाई में अलग-अलग स्थानों से चार वाहनों को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार रात करीब 3 बजे टीम को सूचना मिली कि ओवरब्रिज की ओर से एक पिकअप तखत लोड कर जा रही है। मौके पर वाहन को रोककर जांच की गई।

बड़े राबेली निवासी सतीश कुमार चंद्रा तखत से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका। वाहन में मौजूद मुकेश चंद्रा को भी हिरासत में लेकर डिपो भेजा गया। इसके बाद पटेलपाली के पास एक और पिकअप को रोका गया। चालक भुनेश्वर साहू और मनबोध चंद्र के वाहन में भी तखत लोड थे,

लेकिन कोई कागजात नहीं मिले। दोनों वाहनों को जब्त कर बेलादुला डिपो भेजा गया। इसके बाद बड़े भंडार क्षेत्र में तखत से भरी एक अन्य पिकअप पकड़ी गई। सकरेली निवासी अवध राम सिदार और उसके साथी यशवंत सिदार भी लकड़ी संबंधी दस्तावेज नहीं दिखा सके।

इसी तरह बरपाली पेट्रोल पंप के पास छोटा हाथी वाहन को रोककर जांच की गई, जिसमें तखत, दरवाजे और चौखट लोड थे। चालक आनंद बेहरा (निवासी बरमकेला) भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया। वन विभाग ने सभी चार वाहनों को जब्त कर बेलादुला डिपो में खड़ा कराया है। आरोपियों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

निजी स्कूल का वाहन पुल से नाले में पलटा, छात्रा की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। डोंडी थाना क्षेत्र के ग्राम मरारटोला पुल के पास बुधवार को चार बजे के लगभग आजाद पब्लिक स्कूल डोंडी की फोर्स गाड़ी अनियंत्रित होकर पुल के नीचे नाले में पलट गई। इस घटना में 7 वर्षीय छात्रा वेदांशी साहू की मौत हो गई।

वहीं 13 बच्चे घायल हो गए। डोंडी पुलिस के अनुसार गाड़ी में 19 बच्चों समेत कुल 21 लोग सवार थे। टीआई उमा ठाकुर ने बताया कि स्कूल की छुट्टी होने के बाद गाड़ी चालक बच्चों को घर छोड़ने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान साढ़े 3 बजे हादसा हो गया।

फिलहाल घटना कैसे हुई, यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है क्योंकि गाड़ी का चालक भी घायल हुआ है। पुलिस व ग्रामीणों के अनुसार जिस बच्ची की मौत हुई है, उसके पिता चिम्मनलाल साहू की तीन माह पहले ट्रैक्टर ट्राली पलटने से मौत हुई थी।

अवैध काष्ठ से लदे चार वाहन जब्त

दुर्ग। वनमंडलाधिकारी दुर्ग के निर्देशन में 23 एवं 24 फरवरी 2026 को अवैध काष्ठ परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की गई।

इस दौरान अवैध लकड़ी परिवहन में संलिप्त चार वाहनों को जब्त किया गया। प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर वनमंडलाधिकारी दुर्ग के निर्देशन एवं उप वनमंडलाधिकारी के नेतृत्व में उड़नदस्ता दल दुर्ग वृत्त तथा परिक्षेत्र सहायक भिलाई-03 की संयुक्त टीम ने 23 और 24 फरवरी को प्रातः 3 बजे से 6 बजे तक विशेष रात्रि गश्त अभियान चलाया।

अवैध काष्ठ परिवहन एवं तस्करी के विरुद्ध सतत निगरानी, सघन गश्त और कठोर दंडात्मक कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

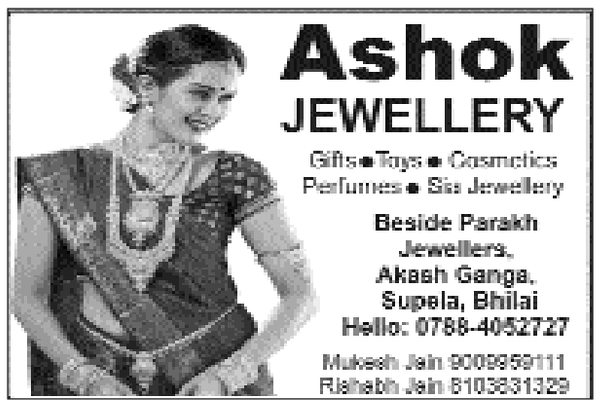

खास खबर

फिल्म यादव जी की लव स्टोरी पर रोक लगाने की मांग

बलरामपुर। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा, जिला बलरामपुर ने यादव जी की लव स्टोरी नामक फिल्म पर तत्काल रोक लगाने की मांग करते हुए राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा है। महासभा के जिलाध्यक्ष व्यासमुनी यादव का आरोप है कि फिल्म में यादव समाज की छवि को आपत्तिजनक ढंग से प्रस्तुत किया गया है, जिससे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। फिल्म का निर्माण ओम ठकुरानी प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है। पोस्टर, ट्रेलर एवं सोशल मीडिया प्रचार सामग्री में जिस प्रकार यादव समाज को एक वर्ग विशेष के संदर्भ में दर्शाया गया है, वह समाज की गरिमा के प्रतिकूल है।

पीएम विकसित भारत की पहली किस्त मार्च अंत तक

रायपुर। प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना के लाभार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना सामने आई है। भारत सरकार ने इस योजना के अंतर्गत सहायता राशि की प्रथम किस्त मार्च महीने के अंत तक जारी करने की तैयारी में है। हालांकि, इस लाभ को प्राप्त करने के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन और संबंधित विभागों ने सदस्यों एवं प्रतिष्ठानों के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं, जिनका पालन न करने पर लाभार्थी वंचित रह सकते हैं।

एंबुलेंस सहित कई वाहन ट्रैफिक जाम में घंटों फंसे

रामानुजगंज। अंतरराज्यीय बैरियर पर मंगलवार शाम भीषण जाम लगने से एम्बुलेंस, बारात की गाड़ियां और सैकड़ों अन्य वाहन घंटों तक फंसे रहे। इससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बैरियर के दोनों ओर वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं। जाम एंबुलेंस भी फंस गए।

पाम ऑयल की खेती से 35 वर्षों तक प्रतिवर्ष मिल सकती है सवा लाख की आय, मजदूरों को भी काम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पाम ऑयल उत्पादन में किसानों को आत्मनिर्भर बनाने, आयात पर निर्भरता कम करने तथा किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से संचालित नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल – ऑयल पाम योजना महासमुंद जिले के किसानों के लिए वरदान सिद्ध हो रही है। इस योजना के माध्यम से किसान अपनी बंजर भूमि को उपजाऊ बनाकर लाखों रुपये की वार्षिक आय अर्जित कर रहे हैं और अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बन रहे हैं। जिले में इस योजना तहत लगभग 400 किसान लगभग 450 हेक्टेयर क्षेत्र में ऑयल पाम की खेती कर रहे हैं।

इसी क्रम में सरायपाली भलेसर गांव के उन्नत किसान मुकेश चंद्राकर, जिन्होंने वर्षों से बंजर पड़ी अपनी 33 एकड़ भूमि पर वर्ष 2016 में ऑयल पाम की खेती प्रारंभ की। वे शासन की योजना से पाम खेती के लिए प्रेरित हुए और अपनी पूरी भूमि पर लगभग 1900 पौधे लगाए। योजना के अंतर्गत उन्हें पौध प्रदाय, फेंसिंग, रखरखाव तथा

ड्रिप सिंचाई जैसी सुविधाएं अनुदान पर मिला। तीन से चार वर्षों में उत्पादन प्रारंभ हुआ, जो लगभग 35 वर्षों तक लगातार फल देता रहेगा। वर्तमान में श्री चंद्राकर एक पौधे से औसतन 3000 रुपये वार्षिक आय अर्जित कर रहे हैं। प्रति एकड़ लगभग 1 लाख 25 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने पाम पौधों के बीच अंतरवर्तीय फसल के रूप में पहले केले की खेती की, जिससे उन्हें लगभग डेढ़ लाख रुपए का लाभ हुआ। वर्तमान में वे कोको की खेती कर निजी कंपनियों को उत्पाद विक्रय कर रहे हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। श्री चंद्राकर बताते है कि कम पानी, कम खाद एवं कम कीटनाशक में अधिक उत्पादन और बेहतर लाभ मिलने के कारण किसानों को पाम की खेती अपनानी चाहिए। श्री चंद्राकर न केवल आत्मनिर्भर बने हैं, बल्कि अपने खेतों में दो दर्जन से अधिक लोगों को स्थायी रोजगार भी प्रदान कर रहे हैं। पहले रोजगार के लिए भटकना पड़ता था, जबकि अब वर्षभर यहीं नियमित कार्य उपलब्ध हो रहा है।

विकसित भारत का संकल्प : व्यापार एवं उद्योग के लिए छत्तीसगढ़ में बना है अनुकूल माहौल - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर स्थित बीटीआई मैदान में कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा आयोजित नेशनल ट्रेड एक्सपो 2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि के साथ-साथ व्यापार एवं उद्योग के लिए भी अनुकूल वातावरण बना है, जिसका परिणाम है कि व्यापारी और उद्योग जगत के प्रतिनिधि राज्य में निवेश के लिए आगे आ रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का यह तीसरा वर्ष चल रहा है। पहले वर्ष प्रस्तुत बजट का थीम ज्ञान था, जिसमें जी का अर्थ गरीब, वाय का अर्थ युवा, ए का अर्थ अन्नदाता किसान और एन का अर्थ नारी था तथा इन सभी वर्गों के विकास पर विशेष फोकस किया गया था। दूसरे वर्ष उसी विकास को गति देने के उद्देश्य से बजट का थीम गति रखा गया, जबकि इस वर्ष का बजट थीम संकल्प है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना को आत्मसात करते हुए तैयार किया गया है और पूरे प्रदेश के हित में है। बजट में विशेष फोकस बस्तर और सरगुजा क्षेत्र

पर किया गया है।

उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र केरल राज्य से भी बड़ा क्षेत्र है और प्राकृतिक रूप से अत्यंत सुंदर है, जिसे धरती का स्वर्ग कहा जा सकता है, लेकिन चार दशक से अधिक समय तक नक्सलवाद के कारण यह क्षेत्र विकास से अछूता रहा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व तथा हमारे वीर जवानों के अदम्य साहस के कारण नक्सलवाद अब अंतिम सांसें ले रहा है और छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश से 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने का संकल्प लिया गया है।

नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई में कई बड़े माओवादी मारे गए हैं तथा बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। माओवाद के कारण इन क्षेत्रों में समुचित विकास नहीं हो पाया था, जिसकी भरपाई के लिए अब सरकार इन क्षेत्रों के विकास पर विशेष फोकस कर रही है।

श्री साय ने बताया कि सरकार ने अबूझमाड़ और जगरगुंडा जैसे क्षेत्रों में एजुकेशन सिटी के लिए बजट में प्रावधान किया है। साथ ही क्षेत्र में कृषि को बढ़ावा देने और फॉरेस्ट प्रोड्यूस के वैल्यू एडिशन पर भी कार्य किया जा रहा है। बस्तर और सरगुजा संभागों में सैकड़ों प्रकार के वन उत्पाद उपलब्ध हैं, जिनका मूल्य संवर्धन कर स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। राज्य का लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है।

उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत 7 करोड़ पेड़ लगाए गए हैं तथा उद्योग नीति के तहत काटे जाने वाले पेड़ों की भरपाई भी बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण से की जा रही है।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए राज्य सरकार ने विस्तृत विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया है। मौजूदा जीएसडीपी दर को आने वाले पांच वर्षों में दोगुना करने तथा वर्ष 2047 तक राज्य का जीएसडीपी 75 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने की दिशा में सरकार कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई उद्योग नीति के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और विभिन्न बड़े शहरों में आयोजित इन्वेस्ट मीट के माध्यम से अब तक प्रदेश को लगभग 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें से कई परियोजनाओं पर धरातल पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। इनमें सेमीकंडक्टर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े निवेश भी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में व्यापारी बंधुओं की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। उन्होंने नेशनल ट्रेड एक्सपो के सफल आयोजन के लिए कैट की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने ट्रेड एक्सपो में विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण कर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया तथा कैट द्वारा प्रकाशित स्वदेशी पोस्टर का विमोचन भी किया।

कैशलेस इलाज पर कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज यहां छत्तीसगढ़ विधानसभा स्थित उनके कार्यालय कक्ष में छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य बजट में कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए कैशलैस चिकित्सा सुविधा शामिल किए जाने पर अभिनंदन करते हुए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री से छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रांतीय संयोजक कमल वर्मा ने कहा कि यह निर्णय कर्मचारी वर्ग एवं उनके परिवारों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। गंभीर बीमारी की स्थिति में आर्थिक चिंता से मुक्ति मिलना एक ऐतिहासिक एवं कर्मचारी हितैषी कदम है।

उन्होंने कहा कि फेडरेशन सरकार के इस संवेदनशील निर्णय का स्वागत करता है तथा आशा करता है कि भविष्य में भी कर्मचारी हितों को इसी प्रकार प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार अधिकारियों-कर्मचारियों के हितों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। कैशलैस चिकित्सा सुविधा का लाभ शासकीय कर्मचारियों और उनके परिवारों को मिलेगा। मेडिकल लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के सरलीकरण से कर्मचारीगण अपने और अपने परिवार की स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर निश्चिंत रहेंगे, जिसका सकारात्मक प्रभाव उनकी कार्य गुणवत्ता पर भी पड़ेगा।

प्रतिनिधिमंडल में सुनील उपाध्याय, जय कुमार साहू, राजेश सिंघी, संतोष कुमार वर्मा, संजीत शर्मा, देवाशीष दास, लोकेश वर्मा, अमित शर्मा, सोनाली तिडके, आकाश त्रिपाठी, जगेश्वर भट्ट, दीपक सोनकर, प्रवीण सिंह एवं श्रीमती निशा यादव उपस्थित रहे।

'चित्रोत्पला' में पर्यावरण को सर्वोच्च प्राथमिकता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। फिल्म सिटी निर्माण स्थल पर चल रहे विरोध के बीच छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यह परियोजना केवल अधोसंरचना विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक हरित विकास मॉडल पर आधारित है। बोर्ड ने कहा कि फिल्म सिटी निर्माण की प्राथमिकताओं में पर्यावरण संरक्षण, संतुलित वृक्षारोपण और क्षेत्रीय सौंदर्य संवर्धन को विशेष महत्व दिया गया है।

परियोजना के अंतर्गत जहां निर्माण कार्य प्रस्तावित है, केवल वहीं न्यूनतम आवश्यक संख्या में पेड़ों की कटाई की जा रही है। यह प्रक्रिया राज्य शासन के नियमानुसार और सभी प्रशासनिक स्वीकृतियों के पश्चात की जा रही है। संबंधित प्रावधानों के तहत सक्षम अधिकारियों को विधिवत सूचना देकर ही कार्रवाई

सुनिश्चित की गई है।

बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और हरित सौंदर्यीकरण

बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि फिल्म सिटी परिसर में बड़ी मात्रा में छोटे एवं बड़े पेड़ों का रोपण किया जाएगा। इसके साथ ही आकर्षक सजावटी पौधे, विभिन्न प्रजातियों के फूलदार पौधे और हरित पट्टियां विकसित की जाएंगी, जिससे क्षेत्र का पर्यावरण संतुलन और अधिक सुदृढ़ होगा। परियोजना को ग्रीन कैंपस कॉन्सेप्ट के अनुरूप विकसित किया जा रहा है, जिसमें वर्षा जल संचयन, प्राकृतिक जल निकासी, हरित खुले क्षेत्र और जैव विविधता संरक्षण जैसे उपाय भी शामिल रहेंगे।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की पहल

प्रस्तावित चित्रोत्पला फिल्म सिटी पर्यटन और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में राज्य को नई पहचान दिलाने का माध्यम बनेगी। इससे छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिल्म शूटिंग के प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरेगा। परियोजना से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। होटल, परिवहन, खानपान, हस्तशिल्प और अन्य सेवाओं से जुड़े व्यवसायों को भी प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और राजस्व में वृद्धि होगी।

विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन का भरोसा

छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने आश्वस्त किया है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखते हुए ही परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा। बोर्ड ने ग्रामीणों से संवाद और सहभागिता के माध्यम से आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता दोहराई है, ताकि यह परियोजना सभी के सहयोग से एक आदर्श मॉडल के रूप में विकसित हो सके।

अबूझमाड़ और जगरगुंडा में एजुकेशन सिटी

जगदलपुर। प्रदेश के बजट पर पूर्वी मंडल उपाध्यक्ष राकेश तिवारी ने इसे बस्तर संभाग के कायाकल्प करने वाला बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में वित्त मंत्री ओपी चौधरी द्वारा प्रस्तुत इस बजट में बेहद संवेदनशीलता के साथ बस्तर को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षा, अधोसंरचना और संस्कृति के संगम पर विशेष बल दिया गया है।

उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में शिक्षा के माध्यम से जागरूकता लाने के उद्देश्य से सरकार ने नारायणपुर के अबूझमाड़ और सुकमा के जगरगुंडा जैसे क्षेत्रों में 100 करोड़ की लागत से 'एजुकेशन सिटी' स्थापित करने की ऐतिहासिक पहल की है। जगदलपुर के महादेव घाट में बैराज निर्माण के लिए 100 करोड़ तो इन्द्रावती नदी पर मटनार एवं देउरगांव बैराज निर्माण के लिए 2,024 करोड़ दिए गए हैं।

नक्सल पुनर्वास नीति

नक्सलियों के सफाए और सरकार की मदद से बदल रही वनांचलों की तस्वीर

■ 70 आत्मसमर्पित युवाओं को स्मार्टफोन, 31 को रोजगारोन्मुख मेसन किट प्रदान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की मानवीय, संवेदनशील एवं दूरदर्शी पुनर्वास नीति नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नई इबारत लिख रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशा अनुरूप जिला प्रशासन सुकमा द्वारा आत्मसमर्पित माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सतत पहल की जा रही है।

जिला मुख्यालय सुकमा स्थित नक्सल पुनर्वास केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में 70 आत्मसमर्पित युवाओं को अत्याधुनिक 5जी स्मार्टफोन तथा 31 युवाओं को रोजगारोन्मुख मेसन (राजमिस्त्री) किट वितरित की गई। कार्यक्रम कलेक्टर अमित कुमार, पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मुकुंद ठाकुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अधिकारियों ने पुनर्वासित युवाओं से आत्मीय संवाद स्थापित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल आत्मसमर्पण सुनिश्चित करना नहीं, बल्कि इन युवाओं को सम्मानजनक एवं सुरक्षित जीवन उपलब्ध कराना है। पुनर्वास केंद्र के माध्यम से उन्हें कौशल प्रशिक्षण, शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों से जोड़ा जा रहा है, ताकि वे समाज की मुख्यधारा में सशक्त रूप से आगे बढ़ सकें।

प्रतापगिरी, तोंगपाल निवासी श्री भीमा ने बताया कि लगभग 15 वर्षों तक नक्सल संगठन से जुड़े रहने के बाद पुनर्वास का निर्णय उनके जीवन का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय सिद्ध हुआ है। पुनर्वास केंद्र में उन्हें आवास, भोजन एवं प्रशिक्षण की समुचित सुविधा मिल रही है तथा वे राजमिस्त्री का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। स्मार्टफोन मिलने से वे डिजिटल माध्यम से नई जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे।

सिंघनपारा, बड़े सेटी निवासी श्री बुधरा ने भी पुनर्वास केंद्र की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यहां का जीवन सुरक्षित एवं सम्मानजनक है। प्रशासन द्वारा उन्हें मोबाइल, मेसन किट के साथ-साथ आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड एवं जॉब कार्ड भी प्रदान किया गया है। किसी भी तरह कि समस्या आने पर जिला प्रशासन द्वारा त्वरित समाधान किया जाता है। छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं, बल्कि विश्वास, विकास एवं सामाजिक समरसता की सशक्त मिसाल बनी है।

आत्मसमर्पण तक सीमित नहीं पुनर्वास

जिला प्रशासन का कहना है कि पुनर्वास केवल आत्मसमर्पण तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मनिर्भरता, सम्मानजनक जीवन और स्थायी आजीविका से जुड़ा समग्र प्रयास है। इसी सोच के अनुरूप 70 युवाओं को सैमसंग गैलेक्सी 5जी स्मार्टफोन प्रदान किए गए। 50 मेगापिक्सल डुअल कैमरा एवं 5000 मेगाहर्ज फास्ट चार्जिंग बैटरी जैसी आधुनिक सुविधाओं से युक्त ये स्मार्टफोन युवाओं को डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन प्रशिक्षण, कौशल विकास कार्यक्रमों एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी से सीधे जोड़ने में सहायक होंगे। साथ ही 31 युवाओं को मेसन किट उपलब्ध कराकर उन्हें निर्माण कार्यों में रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया गया है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

छत्तीसगढ़ में ग्रीन हाइड्रोजन की संभावनाओं पर हुई चर्चा

हरित हाइड्रोजन के क्षेत्र में भविष्य की योजनाओं पर अर्धदिवसीय सेमिनार आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण (सीबीडीए) द्वारा आज छत्तीसगढ़ को ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने तथा ग्लोबल क्लीन एनर्जी के विस्तार के उद्देश्य से अर्धदिवसीय सेमिनार का आयोजन कोर्टयार्ड बाय मैरियट में किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग के सचिव रोहित यादव (आईएएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

रोहित यादव ने कहा कि सेमिनार का उद्देश्य राज्य के औद्योगिक परिवेश में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग को बढ़ावा देना तथा पारंपरिक औद्योगिक ईंधनों के स्थान पर स्वच्छ विकल्पों को अपनाने की दिशा में कार्य करना है। उन्होंने बताया कि बायोमास आधारित ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की संभावनाओं को देखते हुए इसे प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे जैविक खेती को बढ़ावा मिलने के साथ किसानों की आय में भी वृद्धि हो सकेगी।

सेमिनार में चर्चा के दौरान बताया गया कि छत्तीसगढ़ में कृषि अवशेष, डेयरी उद्योग से उत्पन्न अपशिष्ट, फल एवं सब्जी मंडियों का जैविक कचरा तथा गोबर प्रचुर मात्रा में

उपलब्ध है। उपयुक्त तकनीक के माध्यम से इनके प्रसंस्करण द्वारा बड़े पैमाने पर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं।

राज्य में स्टील एवं स्पंज आयरन उद्योग का मजबूत आधार रायपुर और उसके आसपास के क्षेत्र जैसे उरला, सिलतरा, भिलाई तथा रायगढ़ के औद्योगिक क्षेत्रों में है। इसके अतिरिक्त जगदलपुर एवं बस्तर में भी औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित हैं। इन क्षेत्रों में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग से औद्योगिक डिकार्बोनाइजेशन को बढ़ावा मिलेगा तथा राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित पर्यावरणीय लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायता मिलेगी।

ग्रीन हाइड्रोजन को औद्योगिक ईंधन के रूप में अपनाने से दोहरे लाभ होंगे—एक ओर स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा, वहीं बायोमास के मूल्य संवर्धन से किसानों की आय में वृद्धि होगी। यह पहल भारत की ऊर्जा सुरक्षा, अपशिष्ट से आय सृजन तथा नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगी।

ऊर्जा विभाग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुमित सरकार ने कहा कि सेमिनार का उद्देश्य राज्य के औद्योगिक इकोसिस्टम में ग्रीन हाइड्रोजन के उपयोग को बढ़ावा देना, भविष्य के अनुसंधान की दिशा तय करना, संभावित बाधाओं की पहचान करना तथा इसके व्यापक क्रियान्वयन के लिए मार्ग प्रशस्त करना है।

सेमिनार में उपस्थित विशेषज्ञों ने भी अपने विचार साझा किए। हाइड्रोजन इकोनॉमी इनोवेशन लेड ग्रोथ इन इंडस्ट्रियल क्लसटर्स इन छत्तीसगढ़ विषय पर भाभा परमाणु अनुसंधान रिसर्च संस्थान (बार्क) के वरिष्ठ वैज्ञानिक सयाजी मैहत्रे ने बायोमास आधारित ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन पर प्रस्तुतीकरण दिया।

एक्सीलरेटिंग ग्रीन हाइड्रोजन एडॉप्शन इन छत्तीसगढ़ विषय पर नवी एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार के विषय विशेषज्ञ धर्मेन्द्र कुमार पंचार्या, भिलाई स्टील प्लांट के प्रतिनिधियों एवं अन्य उद्यमियों ने पैनल चर्चा में भाग लिया। सेमिनार में वित्तीय संस्थानों जैसे एसबीआई एवं नाबार्ड के प्रतिनिधियों की भी सहभागिता रही। इसके अतिरिक्त नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन से डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, शक्ति सस्टेनेबल एनर्जी फाउंडेशन के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. सचिन कुमार, बार्क, भी मौजूद रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950